हरियाणा विधान सभा

की

कार्यवाही

4 मार्च, 2002

खण्ड-1, अंक-1

अधिकृत विवरण

विषय सूची

सोमवार, 4 मार्च, 2002

	पृष्ठ संख्या
राज्यपाल का अभिभाषण (सदन की मेज पर रखी गई प्रति)	1
शोक प्रस्ताव	19
कार्य सूची में फेरबदल	40
शोक प्रस्ताव (पुनरारम्भ)	40

मूल्य : 16

हरियाणा विधान सभा

सोमवार, 4 मार्च, 2001

विधान सभा की बैठक, हरियाणा विधान सभा हाल, विधान भवन, सैक्टर-1, चण्डीगढ़ में 12-30 बजे हुई। अध्यक्ष (श्री सतबीर सिंह कादयान) ने अध्यक्षता की।

राज्यपाल का अभिभाषण

(सदन की मेज पर रखी गई प्रति)

Mr. Speaker : Hon'ble Members, in pursuance of Rule 18 of the Rules of Procedure and Conduct of business in the Haryana Legislative Assembly, I have to report that the Governor was pleased to address the Haryana Legislative Assembly at 11.00 A.M. today, the 4th March, 2002 under Article 176(1) of the Constitution.

A copy of the address is laid on the Table of the House.

माननीय अध्यक्ष महोदय एवम् सदस्यगण,

हरियाणा विधानसभा के इस वर्ष के पहले सत्र में आप सभी का स्वागत करते हुये मुझे बहुत खुशी हो रही है। इस अवसर पर मैं आप सभी को हार्दिक शुभकामनाएं देता हूँ। मुझे आशा ही नहीं अपितु पूर्ण विश्वास है कि इस सत्र में आप हरियाणा की जनता के कल्याण हेतु जन हित के विभिन्न मुद्दों पर सकारात्मक चर्चा करेंगे। जनतंत्र में विपक्ष की बड़ी अहम् भूमिका होती है। विधानसभा सत्र एक अवसर प्रदान करता है जिसमें सभी विधान सभा सदस्यगण पूरी तैयारी के साथ विकास के विभिन्न मुद्दों पर अपने ठोस सुझाव दे सकते हैं।

यह वर्ष राज्य के कर्मठ किसानों के लिये सुखद भविष्य का संदेश लेकर आया है। 15 जनवरी को माननीय सर्वोच्च न्यायालय ने वर्षों से लम्बित सतलुज-यमुना सम्पर्क नहर के बारे में एक ऐतिहासिक फैसले में पंजाब सरकार को निर्देश दिये हैं कि वह इस नहर का निर्माण एक वर्ष के अन्दर पूरा करें। मेरी सरकार ने हरियाणा क्षेत्र में पड़ने वाले इस सम्पर्क नहर के भाग की मुरम्मत पर होने वाले खर्च के अनुमान तैयार कर लिये हैं तथा शीघ्र ही इस पर कार्य प्रारम्भ कर दिया जाएगा। इस सम्पर्क नहर के पूरा होने के साथ ही हरियाणा राज्य में पानी की कमी वाले क्षेत्रों विशेषकर दक्षिणी हरियाणा के किसानों को लाभ पहुँचेगा। मुझे पूरी उम्मीद है कि इस नहर के पूरा होने से हरियाणा राज्य में कृषि उत्पादन में आशातीत वृद्धि होगी।

मेरी सरकार ने कार्यभार सम्भालते ही जनता को प्रत्येक स्तर पर उत्तरदायी प्रशासन मुहैया कराने के लिये 'सरकार आपके द्वार' कार्यक्रम की शुरूआत की थी। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य जनता के बीच जाकर उनकी दुःख-तकलीफों को सुनकर मौके पर ही उनका समाधान करना तथा गाँव, खण्ड एवम् जिला स्तर पर जन-प्रतिनिधियों एवम् जनता की भावनाओं तथा

आकांक्षाओं के अनुरूप विकास कार्य करवाना है। इस कार्यक्रम के अधीन पहले चरण में तकरीबन 852 करोड़ 79 लाख रुपये की लागत से 10089 विकास कार्य पूरे किये जा चुके हैं। इस कार्यक्रम के दूसरे चरण में 368 करोड़ 67 लाख रुपये की लागत से 9830 विकास कार्य अभी प्रगति पर हैं। इस कार्यक्रम ने राज्य में विकास कार्यों को एक नई गति व दिशा दी है।

आज हरियाणा प्रदेश में चहुँमुखी विकास की गहमा-गहमी है। मेरी सरकार हरियाणा को एक ऐसा आदर्श राज्य बनाने में जुटी है जो न केवल देश में बल्कि अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर दुनिया के बेहतरीन राज्यों का मुकाबला कर सके। स्वर्गीय चौधरी देवी लाल के आदर्शों का अनुसरण करते हुये मेरी सरकार ने विकास के नये आयाम कायम किये हैं। राज्य में वर्ष 1998-99 की तुलना में बिजली की उपलब्धता 111 लाख यूनिट प्रतिदिन के हिसाब से बढ़ी है। ग्रामीण क्षेत्र को पहले की अपेक्षा 35 प्रतिशत अधिक बिजली दी जा रही है। राज्य के बिजली उपभोक्ताओं के हितों को ध्यान में रखते हुये बिजली विभाग द्वारा चरणबद्ध तरीके से पुराने मीटरों के स्थान पर आधुनिक इलैक्ट्रोनिक मीटर लगाये जाने का कार्यक्रम शुरू किया गया है। पिछले 2 वर्षों में 16 हजार से अधिक नलकूपों के कनैक्शन जारी किये गये हैं।

किसानों को पर्याप्त मात्रा व उत्तम गुणवत्ता की बिजली तथा पानी उपलब्ध करवाने के फलस्वरूप राज्य में पिछले वर्ष 132 लाख 50 हजार टन खाद्यान्नों का रिकार्ड उत्पादन हुआ। मेरी सरकार के अथक प्रयत्नों से भारत सरकार ने गेहूँ के समर्थन मूल्य में 30 रुपये प्रति क्विंटल तथा धान के समर्थन मूल्य में 20 रुपये प्रति क्विंटल की वृद्धि की जिससे राज्य में पिछली रबी के दौरान 64 लाख 7 हजार टन गेहूँ तथा खरीफ के मौसम में 15 लाख 75 हजार टन धान की सरकारी खरीद का एक नया रिकार्ड कायम किया गया है। सरकारी खरीद एजेंसियों ने पहली बार मण्डियों में आये धान में से लगभग 65 प्रतिशत धान की खरीद की है। गेहूँ तथा धान के रिकार्ड उत्पादन एवम् खरीद की वजह से भण्डारण सम्बन्धी समस्याओं से निपटने के लिये सरकार द्वारा 12 लाख 80 हजार टन क्षमता के गोदामों का निर्माण करवाया जा रहा है।

राज्य में सहकारी क्षेत्र में दो अन्य चीनी मिलें 'चौधरी देवी लाल सहकारी चीनी मिल, पन्नीवाला-मोटा, जिला सिरसा' तथा 'चौधरी देवी लाल सहकारी चीनी मिल गोहाना' एक वर्ष की रिकार्ड अवधि में लगाई गई हैं। गन्ना उत्पादकों को राज्य में गन्ने की विभिन्न किस्मों के लिये क्रमशः 104, 106 तथा 110 रुपये प्रति क्विंटल का मूल्य दिया जा रहा है जो देश में सबसे अधिक है।

हरियाणा सरकार के अनुरोध पर भारत सरकार ने काम के बदले अनाज पर आधारित 'सम्पूर्ण ग्रामीण रोज़गार योजना' लागू की है। इस योजना के अन्तर्गत चालू वित्त वर्ष में केन्द्रीय सरकार ने राज्य को लगभग 70 हजार टन गेहूँ मुफ्त उपलब्ध करवाया है इसमें से राज्य सरकार द्वारा अब तक 30 हजार 559 टन गेहूँ मज़दूरों को नकद मज़दूरी के साथ-साथ मज़दूरी के रूप में दिया जा चुका है।

राज्य में नई इन्फॉरमेशन टैक्नोलॉजी नीति लागू किये जाने से हरियाणा इन्फॉरमेशन टैक्नोलॉजी के क्षेत्र में बंगलौर, हैदराबाद एवं चेन्नई के विकल्प के रूप में उभरा है। राज्य में शिक्षा को रोज़गार से जोड़ने के लिये पहली कक्षा से अंग्रेज़ी की पढ़ाई अनिवार्य की गई है तथा राज्य के स्कूलों व कालेजों में कम्प्यूटर शिक्षा प्रारम्भ की गई है। राज्य में शिक्षा के स्तर को सुधारने के लिये

शिक्षण सत्र अब पहली मई से आरम्भ होकर 30 अप्रैल तक चलेगा ताकि शैक्षणिक दिवसों की गिनती बढ़ सकें। प्रत्येक शैक्षणिक संस्थान के लिये 'स्कूल परफॉरमैन्स इन्डैक्स' लागू की जाएगी। राज्य में शिक्षकों के सभी रिक्त पदों को भरने के लिये आवश्यक कदम उठाये जा रहे हैं ताकि छात्रों की पढ़ाई सुचारू रूप से चल सके।

सरकार ने नई खेल नीति के अन्तर्गत प्रतिभावान खिलाड़ियों के लिये सरकारी नौकरियों में 3 प्रतिशत आरक्षण का प्रावधान किया है। राज्य सरकार ने 12 से 16 जनवरी, 2002 तक हिसार में सातवें 'राष्ट्रीय युवा उत्सव' का सफल आयोजन किया जिसकी सभी क्षेत्रों में प्रशंसा हुई है। इस उत्सव में देश के सभी प्रदेशों एवम् केन्द्र शासित प्रदेशों के युवाओं ने भाग लिया। इस उत्सव में हरियाणा के युवाओं ने छः सांस्कृतिक स्पर्धाओं में जीत हासिल की तथा तीन युवाओं को राष्ट्रीय युवा पुरस्कार से सम्मानित किया गया। इस अवसर पर केन्द्रीय खेल राज्य मंत्री ने हिसार में एक खेल विश्वविद्यालय स्थापित किये जाने की घोषणा की है।

मेरी सरकार ने शहरी क्षेत्रों में गृह-कर प्रणाली को ज़्यादा पारदर्शी, निष्पक्ष तथा सरल बनाने की दिशा में कदम उठाये हैं। इससे पहले भवनों तथा भूमि पर लगाये जाने वाले कर के निर्धारण के लिये कोई निश्चित मापदण्ड नहीं थे। प्रायः यह देखा गया था कि समाज के कुछ प्रभावशाली व्यक्ति नगरपालिका कर्मचारियों से मिलकर भवन एवम् भूमि-कर निर्धारण की दोषपूर्ण प्रक्रिया का अनुचित लाभ उठाकर कम गृह-कर निर्धारित करवा लेते थे। इस नई गृह-कर नीति के लागू हो जाने से सभी नागरिकों पर गृह कर निर्धारण एक समान रूप से होगा। राज्य में 10 वर्षों बाद 16 शहरों में इम्प्रूवमैन्ट ट्रस्ट पुनर्गठित किये गये हैं ताकि शहरी क्षेत्रों में विकास योजनायें तेज़ी से लागू की जा सकें।

पानीपत में भारतीय तेल निगम द्वारा स्थापित तेल शोधक कारखाने की क्षमता 60 लाख मीट्रिक टन से बढ़ाकर 120 लाख मीट्रिक टन की जा रही है। रिफाइनरी से निकले उत्पादों पर आधारित कच्चे माल से पैट्रो कैमिकल संयंत्र एवं 360 मैगावाट बिजली उत्पादन संयंत्र की स्थापना की जा रही है। इस सारे विस्तार कार्यक्रम पर लगभग 12 हज़ार करोड़ रुपये का पूंजी निवेश अनुमानित है।

राज्य की जनता ने सरकार द्वारा पिछले अढ़ाई सालों में किये गये विकास कार्यों तथा सरकार की नीतियों को स्वीकारते हुये यमुनानगर विधानसभा उपचुनाव में सत्ता पक्ष के उम्मीदवार को भारी बहुमत से जिताया है। यह वास्तव में मेरी सरकार के हक में एक जनमत है। हमें इस जनमत से राज्य के लोगों के लिये और अधिक उत्साह से विकास कार्य करने की प्रेरणा मिलेगी।

कृषि

मेरी सरकार किसानों की हमदर्द सरकार है। माननीय सदस्यगण, हम सभी जानते हैं कि काफी तीव्र गति से औद्योगिकीकरण होने के बावजूद कृषि हरियाणा की अर्थव्यवस्था का मूल आधार है। अतः हम ने कृषि उत्पादन बढ़ाने पर विशेष बल दिया है।

चालू वित्त वर्ष के लिये खाद्यान्न उत्पादन का लक्ष्य 134 लाख टन निर्धारित किया गया है। हालांकि गत वर्ष मानसून जल्दी समाप्त हो गया था तथा जनवरी तक मौसम काफी खुश्क रहा, इसके बावजूद चालू वित्त वर्ष में लगभग 137 लाख टन खाद्यान्न उत्पादन होने का अनुमान है।

सरकार द्वारा तिलहनों के उत्पादन पर भी विशेष बल दिया जा रहा है जिसके फलस्वरूप चालू वित्त वर्ष में इसका उत्पादन 6 लाख 80 हजार टन होने की आशा है। मेरी सरकार ने किसानों को खेती में इस्तेमाल होने वाले सभी आवश्यक संगठकों (Inputs) जैसे बीज, खाद, पानी तथा कीटनाशक दवाईयां आदि की उपलब्धता सुनिश्चित करने की दिशा में भरसक प्रयास किये हैं।

किसानों को समय पर उचित कीमत पर उन्नत बीज उपलब्ध करवाने के लिये गेहूँ, जौ तथा धान के प्रमाणित बीजों पर 200 रुपये प्रति क्विंटल, दलहनों पर 800 रुपये प्रति क्विंटल तथा कपास पर 1000 रुपये प्रति क्विंटल की दर से अनुदान दिया जा रहा है। सरकार द्वारा फॉसफेटिक व पौटाशिक उर्वरकों पर भी चालू वित्त वर्ष में लगभग 200 करोड़ रुपये का अनुदान दिया गया है।

मेरी सरकार ने कृषि विश्वविद्यालय, हिसार में पहली फरवरी, 2002 से एक निःशुल्क "कृषि हैल्प लाईन" सेवा शुरू की है जिसके द्वारा किसान कृषि विश्वविद्यालय के विशेषज्ञों से दूरभाष पर ही अपनी समस्याओं का समाधान पा सकते हैं।

कृषि विविधिकरण के अन्तर्गत नकदी फसलों की उपज को बढ़ाने के लिये विशेष अभियान चलाया जा रहा है। चालू वित्त वर्ष में लगभग 21 सौ हैक्टेयर अतिरिक्त क्षेत्र पर बाग लगाने की योजना है। किसानों की आर्थिक दशा सुधारने के लिये सब्जियों के अधीन 1 लाख 35 हजार हैक्टेयर क्षेत्र लाया गया है तथा अगले वित्त वर्ष में सब्जियों के अधीन 5 हजार हैक्टेयर अतिरिक्त क्षेत्र लाये जाने की योजना है। खुम्ब की खेती में हरियाणा राज्य का पूरे देश में पहला स्थान है।

मेरी सरकार फसलों की पैदावार बढ़ाने के साथ-साथ प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण के प्रति भी जागरूक है। जल संरक्षण के लिये सरकार द्वारा वर्तमान वित्त वर्ष में 4 हजार अतिरिक्त फव्वारा सिंचाई संयन्त्र स्थापित किये जाने की योजना है। किसानों को कल्लर भूमि के सुधार के लिये अनुदान दिया जा रहा है जिसके परिणामस्वरूप मार्च, 2001 तक लगभग 2 लाख 25 हजार हैक्टेयर भूमि को कृषि योग्य बनाया गया है। चालू वित्त वर्ष में 8 हजार हैक्टेयर अतिरिक्त क्षेत्र को सुधार कर कृषि योग्य बनाये जाने की योजना है।

सरकार द्वारा प्रयास किये गये हैं कि किसी भी किसान को अपना कृषि उत्पाद बेचने के लिये 6 से 8 किलोमीटर से ज्यादा नहीं चलना पड़े। इसके लिये हरियाणा राज्य कृषि विपणन बोर्ड द्वारा 105 मुख्य मार्किट यार्ड, 179 सब-यार्ड तथा 158 खरीद केन्द्र स्थापित किये गये हैं। मार्किटिंग बोर्ड ने मेरी सरकार के कार्यकाल के दौरान ग्रामीण सड़कों की विशेष मुरम्मत पर 137 करोड़ 54 लाख रुपये खर्च किये हैं तथा 363 करोड़ 42 लाख रुपये की लागत से 4464 किलोमीटर लम्बी नई ग्रामीण सड़कों के निर्माण की योजना है, जिसमें से लगभग 2791 किलोमीटर लम्बी नई ग्रामीण सड़कों का कार्य पूर्ण हो चुका है।

खाद्य एवं आपूर्ति

मेरी सरकार द्वारा आने वाली रबी की फसल के लिये 65 लाख टन गेहूँ की खरीद के लिये समुचित प्रबन्ध किये गये हैं। इसके लिये आवश्यक बारदाने की व्यवस्था, भण्डारण, धन व्यवस्था एवम् अन्य सभी आवश्यक प्रबन्ध कर लिये गये हैं।

राज्य में उपभोक्ताओं को रोज़मर्रा की जरूरी चीजें उपलब्ध कराने के लिये खाद्य एवम् आपूर्ति विभाग द्वारा उचित मूल्य की 4990 दुकानें ग्रामीण क्षेत्रों में तथा 2470 दुकानें शहरी क्षेत्रों में

चलाई जा रही हैं। राज्य में मई, 2001 से 'अंत्योदय अन्न योजना' प्रारम्भ की गई है, जिसके अंतर्गत गरीबी रेखा से नीचे रह रहे अति निर्धन परिवारों को 2 रुपये प्रति किलोग्राम की दर से 25 किलोग्राम गेहूँ प्रतिमाह वितरित किया जा रहा है। गरीबी रेखा से नीचे रह रहे परिवारों को भी राज्य सरकार 4 रुपये 65 पैसे प्रति किलोग्राम की दर से 25 किलोग्राम गेहूँ प्रतिमास उपलब्ध करवा रही है। सरकार द्वारा प्रयास किये गये हैं कि राज्य में मिट्टी तेल, रसोई गैस, पैट्रोल तथा डीज़ल आदि की कोई कमी न हो। उपभोक्ताओं के अधिकारों के संरक्षण के लिये राज्य स्तर पर, राज्य आयोग तथा प्रत्येक जिले में एक उपभोक्ता संरक्षण फोरम कार्यरत है।

सहकारिता

माननीय सदस्यगण, आप सभी जानते हैं कि सहकारिता आंदोलन की राज्य के आर्थिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका रही है। सरकारी क्षेत्र में इस वर्ष दो नई चीनी मिलों की स्थापना से राज्य में गन्ने की पिराई क्षमता 20 हज़ार 800 टन प्रतिदिन से बढ़कर 25 हज़ार 50 टन प्रतिदिन हो गई है। राज्य में सहकारी चीनी मिलों द्वारा वर्ष 2000-2001 में 342 लाख 68 हज़ार क्विंटल गन्ने की पिराई की गई है। वर्ष 2001 में गन्ने की पिराई अवधि की समाप्ति पर किसानों द्वारा सप्लाई किये गये गन्ने की कीमत जो 367 करोड़ 97 लाख रुपये थी, की अदायगी कर दी गई है तथा अब सभी किसानों को गन्ने की कीमत साथ-साथ दी जा रही है। यह बड़े हर्ष का विषय है कि जींद तथा करनाल सहकारी चीनी मिलों को क्रमशः उनकी तकनीकी कुशलता एवं गन्ना विकास हेतु राष्ट्रीय पुरस्कार दिया गया है।

हैफेड ने धान उत्पादक किसानों की मांग को ध्यान में रखते हुये डिंग व कालांवाली में 4 करोड़ 25 लाख रुपये की लागत से दो चावल मिलें स्थापित की हैं। रानियाँ, फतेहाबाद व नरवाना में भी हैफेड द्वारा आधुनिक चावल मिलें लगाई जा रही हैं। नारनौल में सरसों उत्पादक किसानों की आवश्यकता को पूरा करने के लिये हैफेड 30 टन प्रतिदिन क्षमता की एक सरसों तेल मिल की स्थापना कर रहा है। रिवाड़ी सरसों तेल मिल की क्षमता को 15 से 30 टन प्रतिदिन बढ़ाया गया है ताकि आम जनता को उचित दर पर अच्छी गुणवत्ता का सरसों का तेल उपलब्ध करवाया जा सके। सरसों उत्पादकों के हितों को ध्यान में रखते हुये हैफेड द्वारा गत वर्ष 36 हजार 30 टन सरसों की रिकार्ड खरीद की गई है। पशु पालकों की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुये हैफेड ने गांव सकताखेड़ा जिला सिरसा में 50 टन प्रतिदिन क्षमता का एक कैटलफीड प्लांट लगाया है।

चालू वित्त वर्ष में सहकारी क्षेत्र में 2889 करोड़ रुपये के अल्पावधि (शार्ट टर्म) ऋण तथा 355 करोड़ रुपये के दीर्घावधि (लांग टर्म) ऋण वितरण का लक्ष्य रखा गया है। मुझे यह सूचित करते हुये बड़ा हर्ष हो रहा है कि नाबार्ड द्वारा हरको बैंक को देश का सबसे अच्छा शीर्ष सहकारी बैंक घोषित किया गया है। इसी प्रकार पानीपत केन्द्रीय सहकारी बैंक को भी देश का सबसे अच्छा केन्द्रीय सहकारी बैंक घोषित किया गया है। केन्द्र सरकार तथा भारतीय रिज़र्व बैंक की नीतियों का पालन करते हुये सहकारी बैंकों द्वारा दीर्घावधि ऋणों की विभिन्न योजनाओं में पहली जून, 2001 से ब्याज की दरों में आधा फीसदी से लेकर अढ़ाई फीसदी की कमी की गई है। राज्य सरकार ने झज्जर एवम् फतेहाबाद जिलों में भी दो नये केन्द्रीय सहकारी बैंक स्थापित किये हैं।

सिंचाई

पिछले वर्ष मानसून के जल्दी खत्म होने के कारण भाखड़ा बाँध में जल स्तर सामान्य से कम रहा तथा राज्य में यमुना नदी से उपलब्ध होने वाले जल की मात्रा भी सामान्य से कम रही।

लेकिन सिंचाई विभाग द्वारा उपलब्ध पानी के ठीक प्रबन्धन के कारण किसानों को सिंचाई के पानी की कमी नहीं होने दी गई। हरियाणा जल संसाधन समेकित परियोजना (एच0 डब्ल्यू0 आर0 सी0 पी0) के अन्तर्गत इस वर्ष 26 करोड़ रुपये की लागत से पथराला बाँध तथा 34 करोड़ 50 लाख रुपये की लागत से चौधरी देवी लाल ओटू वीयर, सिरसा का निर्माण कार्य पूरा किया गया है। किसानों के खेतों तक पानी की पहुँच सुनिश्चित करने के लिये हरियाणा लघु सिंचाई एवम् नलकूप निगम द्वारा 50 करोड़ रुपये की लागत से 305 नये खालों को पक्का किया गया तथा 213 खालों की मुरम्मत की गई है। इसके परिणामस्वरूप 20 हज़ार 500 एकड़ अतिरिक्त क्षेत्र की सिंचाई हो पाई है। कमान क्षेत्र विकास प्राधिकरण (काडा) द्वारा भी 13 करोड़ 80 लाख रुपये की लागत से 150 खालों को पक्का किया गया है। उपलब्ध सिंचाई के पानी के समुचित उपयोग के लिये कच्ची नहरों का आधुनिकीकरण तथा पुरानी नहरों का पुनरूत्थान किया जा रहा है। आधुनिकीकरण के अंतर्गत मुख्यतः बरवाला ब्रांच, सिरसा ब्रांच, मलेकां माईनर व पाथड़ा डिस्ट्रीब्यूटरी को लिया गया है।

सिंचाई विभाग ने 394 करोड़ 43 लाख रुपये की लागत से पूर्ण होने वाले नौ प्रोजैक्ट स्वीकृत किये हैं। इनमें से 299 सिंचाई सम्बन्धी स्कीमें तथा 212 स्कीमें जल निकासी से सम्बन्धित हैं। इसके अंतर्गत मुख्य योजनायें बरसोला फीडर, महम तथा लाखनमाजरा ड्रेन हैं, जो पूर्ण हो चुकी हैं तथा रिवाड़ी लिफ्ट इरीगेशन स्कीम, दड़बा-घग्गर ड्रेन, बवेर-नथोर लिंक चैनल व रामकली माईनर का निर्माण कार्य प्रगति पर है।

बाढ़ नियन्त्रण एवम् जल निकासी को सुचारू रूप से चालू रखने हेतु मेरी सरकार ने प्रभावी कदम उठाये हैं। बाढ़ प्रभावित क्षेत्र की आबादी तथा फसलों के बचाव के लिये बाढ़ के पानी को निकालने के लिये स्थायी पम्प घर स्थापित किये गये हैं। इसके साथ ही डीज़ल तथा बिजली से चलने वाले मोबाइल पम्पों की व्यवस्था की गई है। जो गांव निचले क्षेत्रों में पड़ते हैं, वहां बाढ़ से बचाव के लिये पुराने रिंग बांधों की मुरम्मत की गई है तथा नये रिंग बांध बनाये गये हैं।

विद्युत

माननीय सदस्यगण, कृषि एवम् औद्योगिक प्रगति के लिये पर्याप्त और उचित गुणवत्ता की बिजली की उपलब्धता बहुत ज़रूरी है। मेरी सरकार ने बिजली क्षेत्र को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है। बिजली वितरण में 2 सितम्बर, 2001 को 613 लाख 75 हज़ार यूनिट बिजली वितरित करके एक नया कीर्तिमान स्थापित किया गया है। इस प्रकार बिजली की उपलब्धता में वृद्धि होने से सभी बिजली उपभोक्ताओं की मांग पूरी की गई है।

मेरी सरकार राज्य में देश के पूर्वी क्षेत्र से 100 मैगावाट अतिरिक्त बिजली लाने में सफल रही है। राज्य के अपने बिजली उत्पादन स्टेशनों ने पूर्व वर्ष के मुकाबले जनवरी, 2002 तक 36 फीसदी अधिक बिजली पैदा की है। जुलाई, 1999 से अब तक बिजली उत्पादन क्षमता में 621 मैगावाट की वृद्धि हुई है। भविष्य में बिजली की मांग को ध्यान में रखते हुये, 'ताऊ देवी लाल थर्मल पावर स्टेशन, पानीपत' में 250-250 मैगावाट यूनिट के दो अतिरिक्त संयन्त्र लगाने का कार्य शुरू किया गया है। इसी प्रकार सरकार यमुनानगर तथा हिसार में दो थर्मल पावर स्टेशन लगाने के लिये भी प्रयासरत है।

बिजली की उपलब्धता के साथ-साथ गुणवत्ता में सुधार के लिये 400 किलोवाट क्षमता के 3 नये सब-स्टेशन बहादुरगढ़, फतेहाबाद तथा कैथल में स्थापित किये जाने प्रस्तावित हैं। साथ ही

नये केन्द्रीय बिजली संयंत्रों से हरियाणा के हिस्से की अतिरिक्त बिजली प्राप्त करने के लिये उच्च वोल्ट ग्रिड बिछाई जा रही है। राज्य में बिजली वितरण प्रणाली को सुदृढ़ बनाने के लिये 75 नये ग्रिड सब-स्टेशन बनाये जा रहे हैं एवम् 55 सब-स्टेशनों की क्षमता में वृद्धि की जा रही है। इस कार्यक्रम पर 1000 करोड़ रुपये की लागत अनुमानित है। इसके अतिरिक्त पानीपत में सभी सुविधाओं से युक्त एक 'सब-लोड डिस्पैच सैन्टर' एवम् दादरी तथा नरवाना में दो उप-केन्द्र स्थापित किये गये हैं। इन उप-केन्द्रों के माध्यम से उच्च ग्रिड स्तर पर ऑन लाईन मोनिटरिंग तथा बिजली के वितरण पर नियन्त्रण रखने में सुविधा रहेगी।

मेरी सरकार बिजली वितरण प्रणाली को सुदृढ़ करने के लिये विशेष ध्यान दे रही है। इसके अन्तर्गत 11 किलोवाट के 50 फीडर, जिन पर हमेशा ओवर लोड रहता था, को व्यवस्थित करके 146 नये 11 के0 वी0 फीडर बनाये गये हैं। इसी तरह से 60 अन्य ओवर लोड फीडरों का लोड कम करने के लिये भी कार्य आरम्भ किया जा चुका है। बिजली के वितरण को सुचारू रूप से नियमित करने के लिये 7700 नये ट्रांसफार्मर उपलब्ध कराये गये हैं तथा 7500 किलोमीटर पुरानी लो टेंशन तारें बदली गई हैं। इन सब प्रयासों की वजह से ट्रांसफार्मरों के जलने की दर में भारी कमी आई है।

सरकार ने राज्य के इतिहास में पहली बार मई, 2001 से औद्योगिक इकाईयों को दी जाने वाली बिजली से पीक ऑवर लोड सम्बन्धी प्रतिबन्ध हटाया है। चालू वित्त वर्ष में औद्योगिक क्षेत्र की बिजली की खपत 17 फीसदी बढ़ी है। जहां मेरी सरकार बिजली की मात्रा तथा गुणवत्ता दोनों बढ़ाने के लिये प्रतिबद्ध हैं वहीं बिजली की चोरी रोकने के लिये भी सख्त कदम उठाये जा रहे हैं। इन प्रयासों के परिणामस्वरूप अप्रैल, 2000 से अब तक बिजली चोरी के 84 हजार 413 मामले पकड़े गये हैं।

उद्योग

माननीय सदस्यगण, 11 सितम्बर, 2001 को हुई दुर्घटना ने पूरे विश्व में व्यापारिक तथा औद्योगिक क्षेत्र को प्रभावित किया है। फिर भी विश्वव्यापी आर्थिक मन्दी के इस दौर में हरियाणा राज्य औद्योगिक प्रगति में अपनी बढ़त बनाये हुये है। इसका श्रेय राज्य के उद्योगपतियों के विश्वास, बेहतर कानून-व्यवस्था, मिल मालिकों व श्रमिकों के अच्छे सम्बन्ध तथा उद्योगों के लिये मूलभूत सुविधायें जैसे सड़कें, बिजली, पानी आदि की व्यवस्था तथा राज्य सरकार की प्रगतिशील उद्योग नीति को जाता है। चालू वित्त वर्ष में दिसम्बर, 2001 तक 434 करोड़ रुपये के पूंजी निवेश से 20 बड़े व मध्यम उद्योग तथा 554 लघु उद्योग स्थापित हुये हैं जिससे 8469 लोगों को सीधा रोजगार मिला है। मेरी सरकार की यह कोशिश है कि हरियाणा राज्य को विश्व के औद्योगिक नक्शे पर प्रमुख रूप से लाया जाये। इस दिशा में राज्य में मानेसर, जिला गुड़गांव में 'चौधरी देवी लाल इण्डस्ट्रियल मॉडल टाउन-शिप' की स्थापना की गई है जो स्वदेशी व विदेशी उद्यमियों तथा बहुराष्ट्रीय कम्पनियों द्वारा पूंजी निवेश का केन्द्र बिन्दु है। इसी प्रकार बहादुरगढ़, बादली, गुड़गावां तथा सोनीपत में औद्योगिक क्षेत्र की मांग को देखते हुये नई औद्योगिक सम्पदायें स्थापित करने हेतु भूमि अधिग्रहण की जा रही है। इन औद्योगिक सम्पदाओं में हर प्रकार की मूलभूत सुविधायें उपलब्ध करवाई जायेंगी ताकि उद्योग स्थापित करने में कोई कठिनाई न आये।

आज हरियाणा राज्य में लगभग हर किस्म की वस्तुओं का उत्पादन हो रहा है। पूरे देश में बनने वाली 60 प्रतिशत से ज्यादा कारें, मोटर-साईकिलों व ट्रैक्टरों का निर्माण हरियाणा राज्य में

हो रहा है। हरियाणा राज्य का निर्यात के क्षेत्र में विशेष योगदान है। 1966 में हरियाणा के बनने के समय केवल 4 करोड़ 50 लाख रुपये का निर्यात होता था जबकि वर्ष 2000-2001 में राज्य से लगभग सात हजार करोड़ रुपये के उत्पाद एवं सेवाएं निर्यात किये गये हैं। गुड़गांव में स्थित इन्फॉरमेशन टैक्नोलॉजी से सम्बन्धित बहुराष्ट्रीय कम्पनियां लगभग तीन हजार करोड़ रुपये का सोफ्टवेयर निर्यात कर रही हैं। निर्यात को बढ़ावा देने के लिये राज्य सरकार जल्दी ही अपनी निर्यात नीति घोषित करने जा रही है।

हरियाणा एक कृषि प्रधान राज्य है, अत: औद्योगिक नीति में कृषि आधारित व खाद्य प्रसंस्करण उद्योग स्थापित करने के लिये विशेष ध्यान दिया गया है। इसके अन्तर्गत राज्य में केन्द्र सरकार की वित्तीय सहायता से राई (सोनीपत), नरवाना (जीन्द), डबवाली (सिरसा) तथा साहा (अम्बाला) में चार 'फूड पार्क' स्थापित किये जा रहे हैं।

राज्य के औद्योगिकीकरण में राज्य की वित्तीय संस्थाओं 'हरियाणा राज्य औद्योगिक विकास निगम' तथा 'हरियाणा वित्तीय निगम' का विशेष योगदान रहा है। हरियाणा राज्य औद्योगिक विकास निगम ने चालू वित्त वर्ष में दिसम्बर, 2001 तक 34 करोड़ 73 लाख रुपये के ऋण वितरित किये हैं। इसी प्रकार हरियाणा वित्तीय निगम ने चालू वित्त वर्ष में दिसम्बर, 2001 तक 41 करोड़ 74 लाख रुपये के ऋण वितरित किये हैं।

मेरी सरकार द्वारा इटली सरकार की सहायता से फरीदाबाद जिले में 13 करोड़ 86 लाख रुपये की लागत से एक सैरेमिक विकास केन्द्र (Ceramic Development Centre) स्थापित किया जा रहा है।

खान तथा भू-विज्ञान

सरकार ने राज्य में खनन के लिये सितम्बर, 2001 में नई खनन नीति लागू की है जिसके अनुसार बड़े खनिज जैसे सिलिका सैण्ड की कोई नयी माईनिंग लीज़ नहीं दी जाएगी। पहले दी गई माईनिंग लीज़ की अवधि समाप्त होने पर इसका नवीनीकरण नहीं किया जाएगा। लघु खनिज जैसे साधारण रेत और पत्थर जोकि काफी मात्रा में उपलब्ध हैं उनकी लीज़ नीलामी द्वारा की जाएगी। नई नीति के अन्तर्गत साधारण रेत, पत्थर, स्लेट पत्थर इत्यादि लघु खनिज खानों की नीलामी में 65 करोड़ 86 लाख रुपये की आमदनी संभावित है जो पिछले वर्ष की तुलना में 48 करोड़ 51 लाख रुपये अधिक है। इस प्रकार मेरी सरकार ने माईनिंग लीज़ खुली बोली द्वारा प्रदान करने की नई नीति लागू कर इसे न केवल पारदर्शी बनाया है बल्कि नीलामी में भाग लेने के इच्छुक सभी लोगों को बराबर अवसर प्रदान किया है।

जन-स्वास्थ्य

मेरी सरकार हरियाणा के सभी गांवों तथा शहरों में पर्याप्त मात्रा में पीने के साफ पानी की आपूर्ति करने के लिये प्रतिबद्ध है। ग्रामीण क्षेत्रों में जल आपूर्ति स्तर बढ़ाकर 40 से 55/70 लीटर प्रति व्यक्ति प्रतिदिन करने का कार्यक्रम चलाया जा रहा है। राज्य के 3245 गांवों में इस समय पानी की सप्लाई 40 लीटर प्रति व्यक्ति प्रतिदिन से कम है। पानी की कमी वाले इन गांवों में से 550 गांवों में 31 मार्च, 2002 तक जल आपूर्ति 40 से 55/70 लीटर प्रति व्यक्ति प्रति दिन तक किये जाने के प्रयास किये जा रहे हैं। चूंकि राज्य के दक्षिणी जिलों में पानी की क्वालिटी काफी खराब है, इसलिये इन जिलों में पीने का साफ पानी उपलब्ध करवाने के लिये विशेष प्रयास किये जा रहे हैं। शहरों में

जनसंख्या तेजी से बढ़ने के कारण जल आपूर्ति का स्तर बनाये रखने के लिये भारी पूंजी निवेश की आवश्यकता है। अतः इस बारे में केन्द्र सरकार से वित्तीय मदद लेने के लिये राज्य सरकार ने राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र के शहरों में 1640 करोड़ रुपये की लागत से जल आपूर्ति में सुधार हेतु एक महत्वाकांक्षी योजना केन्द्र सरकार को प्रस्तुत की हुई है। इस परियोजना के लागू होने पर इन सभी शहरों में पीने के पानी की उचित व्यवस्था करवाई जायेगी।

शहरों में उचित मल निकासी प्रणाली तथा गंदे पानी के शोधन के लिये एक नई परियोजना चलाई जा रही है। इसे कार्यान्वित करने के लिये सरकार ने एक 'टास्क फोर्स' की स्थापना की है, जो यह सुनिश्चित करने के लिये सुझाव देगी कि अशोधित मल रिसाव से निकलने वाला मल नदियों व नहरों को प्रदूषित न करे। यमुना कार्य योजना के अन्तर्गत 12 शहरों में मल निकासी प्रणाली तथा मल परिशोधन संयन्त्रों का विस्तार किया जा रहा है। मेरी सरकार द्वारा यमुना कार्य योजना (द्वितीय चरण) के अन्तर्गत 350 करोड़ रुपये की लागत से 18 शहरों में मल निकास प्रणाली तथा मल परिशोधन संयन्त्र लगाने का प्रस्ताव केन्द्र सरकार को प्रस्तुत किया हुआ है। यह योजना अगले वित्त वर्ष में स्वीकृत होने की सम्भावना है।

लोक निर्माण (भवन तथा सड़कें)

मेरी सरकार ने गत वर्षों की भांति इस वर्ष भी राज्य में सड़कों के रख-रखाव तथा सुधार को प्राथमिकता दी है। वर्ष 2001-2002 में सड़कों तथा पुलों के निर्माण के लिये 190 करोड़ रुपये खर्च किये जाने प्रस्तावित हैं जिससे 52 किलोमीटर नई सड़कों का निर्माण तथा 5126 किलोमीटर सड़कों का सुधार किया जायेगा। इसके अतिरिक्त 9355 किलोमीटर लम्बी मुख्य जिला सड़कों तथा अन्य जिला सड़कों के सुधार के लिये 368 करोड़ 28 लाख रुपये की परियोजनाएं स्वीकृत की गई हैं। राष्ट्रीय उच्च मार्ग नं0-1 पर करनाल से अम्बाला छावनी तक 80 किलोमीटर की लम्बाई के मार्ग को यातायात के लिये खोल दिये जाने से यात्रियों को काफी सुविधा हुई है तथा दुर्घटना दर में भी कमी आई है। राज्य सरकार द्वारा बहादुरगढ़ तथा रोहतक के बीच राष्ट्रीय उच्च मार्ग नं0-10 को भी चार लेन किया जाना प्रस्तावित है। इसके लिये केन्द्र सरकार ने भूमि अधिग्रहण के लिये 16 करोड़ 40 लाख रुपये स्वीकृत किये हैं।

रिवाड़ी में लोगों की कठिनाई को ध्यान में रखते हुये एक रेल ओवर ब्रिज तथा कुरुक्षेत्र में भी पहले से निर्मित रेल ओवर ब्रिज के दो अतिरिक्त लेन का निर्माण विचाराधीन है। सरकार द्वारा 1155 किलोमीटर राजकीय उच्च मार्गों के सुधार के लिये पहले दो चरणों का कार्य शुरू किया हुआ है जिस पर 217 करोड़ 8 लाख रुपये की लागत आयेगी। केन्द्र सरकार द्वारा 'प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना' के अन्तर्गत 25 करोड़ रुपये उपलब्ध कराये जायेंगे तथा चालू वित्त वर्ष में पैट्रोल तथा डीज़ल पर लगाये जाने वाले सैस में से 31 करोड़ 40 लाख रुपये राज्य सरकार को सड़कों के सुधार के लिये प्राप्त होंगे।

परिवहन

मेरी सरकार राज्य के लोगों को पर्याप्त एवं कुशल परिवहन सेवा सस्ती दरों पर उपलब्ध करवाने के लिये वचनबद्ध है। परिवहन सेवाओं की गुणवत्ता में सुधार लाने के लिये पिछले 2 वर्ष में 1200 बसों को बदला गया है तथा 300 और बसों को शीघ्र ही बदला जायेगा। हरियाणा राज्य परिवहन द्वारा जो नई बसें चलाई गई हैं वे अत्याधुनिक, सुरक्षित तथा आरामदायक हैं। बस की बॉडी

का नया डिज़ाईन बहुत ही कम लागत पर हरियाणा रोडवेज़ इन्जीनियरिंग कॉरपोरेशन द्वारा ही तैयार किया गया है।

इस वर्ष हरियाणा राज्य परिवहन का कर से पहले प्रति किलोमीटर लाभ देश के अन्य राज्यों की परिवहन संस्थानों के मुकाबले सबसे अधिक रहा है। हरियाणा राज्य परिवहन ने न केवल सस्ती एवं कुशल सेवायें दी हैं, बल्कि अप्रैल-दिसम्बर, 2001 के दौरान राज्य के कोष में लगभग 87 करोड़ रुपये जुटाये हैं। मेरी सरकार ने विभाग की कार्य कुशलता में सुधार से संतुष्ट होकर विभाग के पात्र कर्मचारियों को वर्ष 1998-99 का बोनस तथा वर्ष 1999-2000 व 2000-2001 के लिये सभी तृतीय श्रेणी कर्मचारियों को अनुग्रह राशि देने का निर्णय लिया है।

परिवहन सेवाओं में और अधिक सुधार लाने के लिये रोहतक, बल्लभगढ़ व झज्जर में नई एवम् आधुनिक कर्मशालाओं के निर्माण का प्रस्ताव है। रोहतक में नये बस स्टैन्ड का निर्माण जल्दी ही पूरा होने वाला है। इसी प्रकार कालका व थानेसर में नये बस स्टैण्ड का निर्माण कार्य भी शीघ्र शुरू हो जाएगा।

मेरी सरकार द्वारा सड़क सुरक्षा के लिये विशेष उपाय किये गये हैं। इसके लिये राज्य से गुज़रने वाले चार मुख्य राष्ट्रीय राजमार्गों पर यातायात के सुचारू रूप से पर्यवेक्षण एवं प्रबन्धन के लिये 'हरियाणा हाईवे पैट्रोल' के नाम से एक नये संगठन की स्थापना की गई है। इन प्रयासों के फलस्वरूप इन चार मुख्य राष्ट्रीय राजमार्गों पर अप्रैल से दिसम्बर, 2001 के दौरान दुर्घटनाओं की संख्या में लगभग 15 फीसदी की कमी आई है। राज्य में सड़क परिवहन को सुरक्षित व भय रहित बनाने के लिये और अधिक प्रयास किये जायेंगे ताकि सभी मोटर चालकों के लिये हरियाणा राज्य से गुज़रना आनन्दमय अनुभव बन सके।

शिक्षा

मेरी सरकार का यह मानना है कि यदि राज्य में सही मायनों में विकास करना है तो शिक्षा के क्षेत्र को विशेष प्राथमिकता देनी होगी। इसके लिये प्राथमिक/प्रारम्भिक शिक्षा का सर्वव्यापीकरण तथा शिक्षा के स्तर में सुधार पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। राज्य भर में 11013 प्राथमिक विद्यालय, 1887 माध्यमिक विद्यालय, 2900 उच्च विद्यालय तथा 1238 वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय चलाये जा रहे हैं। राज्य में अगले सत्र से 'सर्व शिक्षा अभियान' प्रारम्भ करने के लिये सभी तैयारियाँ कर ली गई हैं। राज्य के सभी 19 जिलों में 'पूर्ण साक्षरता अभियान' चलाया जा रहा है। मेरी सरकार द्वारा निजी क्षेत्र के विद्यालय तथा महाविद्यालयों के कर्मचारियों के कल्याण के लिये पैंशन स्कीम शुरू की गई है।

राज्य के विद्यालयों तथा महाविद्यालयों में कम्प्यूटर शिक्षा को वैकल्पिक विषय के रूप में प्रारम्भ किया गया है। राज्य सरकार द्वारा लड़कियों की शिक्षा पर विशेष बल दिया जा रहा है। इस दिशा में निजी क्षेत्र में लौहार भाजरा तथा ईसाईलाबाद, जिला कुरुक्षेत्र व उचाना, जिला जींद में तीन नए कन्या महाविद्यालय स्वीकृत किये गये हैं। राज्य की स्थापना के समय (1966 में) कालेजों में पढ़ने वाले छात्र व छात्राओं की संख्या 30109 थी जो अब बढ़कर लगभग दो लाख आठ हज़ार हो गई है। मुझे आपको यह बताते हुये बड़ी खुशी हो रही है कि 1966 में राज्य में जहां केवल 6633 लड़कियां कालेज जाती थीं उनकी संख्या अब बढ़कर 89 हज़ार से ज्यादा हो गई है। छात्राओं में

विज्ञान विषयों के अध्ययन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से राज्य सरकार द्वारा स्नातक स्तर पर विज्ञान सम्बन्धी विषयों की पढ़ाई के लिये 380 एककालीन छात्रवृत्तियां मंजूर की गई हैं।

विश्वविद्यालय स्तर पर परीक्षा प्रणाली में सुधार किया गया है। कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय तथा महर्षि दयानन्द विश्वविद्यालय का शैक्षणिक कलैण्डर समान कर दिया गया है। जहां आवश्यक था वहां पाठ्यक्रमों पर पुनर्विचार करके अप्रचलित पाठ्यक्रम हटा दिये गये हैं तथा नये उभरते क्षेत्रों पर बल दिया गया है। महाविद्यालयों में एक शैक्षणिक सत्र में कम से कम 180 शैक्षणिक दिवस सुनिश्चित किये गये हैं। शिक्षक वर्ग की जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिये महाविद्यालयों में एक व्यापक आचार संहिता लागू की गई है। साथ ही निजी ट्यूशन की बुराई की रोकथाम के लिये प्रभावी कदम उठाये गये हैं।

नगर विकास

मेरी सरकार द्वारा शहरों के विकास के लिये विभिन्न कार्यक्रम जैसे झुग्गी-झोंपड़ियों के पर्यावरण में सुधार, राष्ट्रीय स्लम विकास कार्यक्रम, छोटे एवम् मध्यम दर्जे के शहरों की समन्वित विकास योजना आदि कार्यक्रमों के लिये 24 करोड़ 25 लाख रुपये की राशि खर्च की जानी प्रस्तावित है। शहरी क्षेत्रों में झुग्गी-झोपड़ियों के पर्यावरण में सुधार के लिए चलाई जा रही परियोजनाओं के अंतर्गत दिसम्बर, 2001 तक 48573 व्यक्तियों को लाभ पहुंचाया गया है। सरकार राज्य के शहरों तथा कस्बों में कार्यरत डेयरियों को शहर से बाहर बसाने के लिये प्रतिबद्ध है। इससे न केवल नगरवासियों को साफ सुथरे वातावरण में रहने का अवसर मिलेगा बल्कि डेयरी मालिकों को भी डेयरी के लिये सुनियोजित स्थान एवम् सभी आवश्यक सहूलियतें मिल पाएंगी।

नगर एवम् ग्राम आयोजना

माननीय सदस्यगण, हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण यानि हुड्डा की पूरे देश में अपनी एक अलग पहचान है। हुड्डा राज्य में लोगों को उचित दरों पर अच्छे रिहायशी प्लाट उपलब्ध कराने के लिये शहरी सम्पदाओं के विकास में लगनशील है। चालू वित्त वर्ष में हुड्डा द्वारा 16597 रिहायशी प्लाट तथा 191 औद्योगिक प्लाट फलोट किये गये हैं। इसके साथ-साथ हुड्डा द्वारा इस अवधि में 140 प्लाट संस्थानों को अलाट किये गये हैं।

हुड्डा द्वारा वर्ष 2001-2002 के दौरान नये क्षेत्रों के विकास, विकसित क्षेत्रों के रख-रखाव, सड़कों की विशेष मुरम्मत, सामुदायिक भवनों के निर्माण एवम् सरकारी भूमि के विकास पर लगभग 137 करोड़ रुपये खर्च किये गये हैं। हुड्डा ने अपना सामाजिक दायित्व निभाते हुये इस वर्ष 4 सामुदायिक केन्द्र, 7 पुलिस पोस्ट, 2 पुलिस स्टेशन एवम् एक वरिष्ठ माध्यमिक स्कूल का निर्माण भी किया है। हुड्डा द्वारा सैक्टर-39, गुड़गांव में लगभग 53 एकड़ जमीन पर 'मैडी सिटी' स्थापित करने का निर्णय लिया गया है जिसमें अन्तर्राष्ट्रीय स्तर की चिकित्सा सुविधाओं वाला एक सुपर स्पैशिलिटी हस्पताल, चिकित्सा तथा चिकित्सा अनुसंधान सम्बन्धी अन्य संस्थान होंगे। हुड्डा ने चौधरी देवी लाल की स्मृति में कुरुक्षेत्र, पानीपत, गुड़गांव, बहादुरगढ़, रोहतक तथा रिवाड़ी में लगभग 7 करोड़ 50 लाख रुपये की लागत से पार्क विकसित करने की एक महत्वाकांक्षी योजना प्रारम्भ की है। नये सैक्टर विकसित करने के लिये हुड्डा द्वारा इस वर्ष लगभग 242 एकड़ भूमि अधिग्रहण की गई है, जिसके लिये भूमि मालिकों को 29 करोड़ 92 लाख रुपये का मुआवज़ा दिया गया है।

इन्फॉरमेशन टैक्नोलॉजी

मेरी सरकार ने इन्फॉरमेशन टैक्नोलॉजी क्षेत्र के महत्व को देखते हुये 'इन्फॉरमेशन टैक्नोलॉजी नीति 2000' की घोषणा की है। इस नीति का मुख्य उद्देश्य राज्य में इन्फॉरमेशन टैक्नोलॉजी उद्योग को बढ़ावा देना, मानव संसाधनों का विकास, इंफॉरमेशन टैक्नोलॉजी शिक्षा एवम् कम्प्यूटर साक्षरता को बढ़ावा देना तथा सूचना को जन साधारण तक पहुंचाना शामिल है। इस नीति के अन्तर्गत राज्य में दूरभाष तथा इन्टरनेट संग्रहण में सुधार लाने के लिये संचार आधारित नैटवर्क की स्थापना पर भी जोर दिया है। इस प्रयोजन के लिये राज्य में ऑप्टिक फाईबर नैटवर्क के लिये 'राईट ऑफ वे नीति' (Right of way Policy) बनाई गई है जिसके तहत दो बड़ी कम्पनियों के साथ अनुबन्ध किया गया है।

राज्य में इन्फॉरमेशन टैक्नोलॉजी क्षेत्र को बढ़ावा देने के लिये निजी क्षेत्र में 'साईबर सिटी' की स्थापना के लिये कदम उठाये जा रहे हैं। संचार की गति में सुधार के लिये गुड़गांव में एक 'अर्थ स्टेशन' स्थापित किया जा रहा है। राज्य में सफल तथा पारदर्शी प्रशासन प्रदान करने के लिये सभी सरकारी विभागों के कार्यों में इन्फॉरमेशन टैक्नोलॉजी एवं कम्प्यूटर के प्रयोग को प्राथमिकता दी जा रही है। इन्फॉरमेशन टैक्नोलॉजी क्षेत्र में विभिन्न सुविधाओं से लैस ई-गवर्नैंस केन्द्र (Centre for E-Governance) की स्थापना चण्डीगढ़ में की गई है। यह केन्द्र सभी सरकारी विभागों, बोर्डों और निगमों के लिये सॉफ्टवेयर विकसित करने तथा निःशुल्क प्रशिक्षण देने में उपयोगी सिद्ध हो रहा है। इस सैन्टर द्वारा आप सभी सदस्यों को भी कम्प्यूटर प्रशिक्षण की सुविधा प्रदान की गई है। अब प्रत्येक सदस्य को एक लैपटोप कम्प्यूटर दिया जाना प्रस्तावित है।

तकनीकी शिक्षा

मेरी सरकार राज्य में तकनीकी शिक्षा पर विशेष बल दे रही है। समय की मांग को देखते हुये रानी झांसी लक्ष्मीबाई राजकीय पोलीटैक्नीक, लोहारू में 40-40 तथा चौधरी देवी लाल राजकीय पोलीटैक्नीक, पन्नीवाला मोटा, सिरसा में 60-60 छात्रों की प्रवेश क्षमता के साथ कम्प्यूटर इंजीनियरिंग तथा इन्फॉरमेशन टैक्नोलॉजी कोर्स शुरू किये गये हैं। राज्य में डिप्लोमा स्तर के सभी छात्रों के लिये कम्प्यूटर इंजीनियरिंग को अनिवार्य विषय घोषित किया गया है। वाई0 एम0 सी0 ए0 इंजीनियरिंग संस्थान, फरीदाबाद में 30 सीटों की क्षमता वाले कम्प्यूटर इंजीनियरिंग तथा सर छोटूराम इंजीनियरिंग कालेज, मुरथल में मैकेनिकल इंजीनियरिंग में एम0 टैक0 व मैनेजमेंट टैक्नोलॉजी में 40 सीटों की प्रवेश क्षमता के साथ मास्टर डिग्री कोर्स शुरू किया जाएगा। रीजनल इंजीनियरिंग कालेज, कुरुक्षेत्र में चलाये जा रहे विभिन्न कोर्सिज़ की प्रवेश क्षमता तकनीकी मानव क्षमता की मांग को ध्यान में रखते हुये 327 से बढ़ाकर 480 कर दी गई है। इसी प्रकार इन्फॉरमेशन टैक्नोलॉजी की बढ़ती हुई मांग को देखते हुये इन्फॉरमेशन टैक्नोलॉजी संस्थान की स्थापना किये जाने का प्रस्ताव है। सरकार द्वारा राजपुरा (जींद), उमरी (कुरुक्षेत्र), डबवाली (सिरसा), पबनावा (कैथल), टोहाना (फतेहाबाद), दूधोला (फरीदाबाद), ओढ़ां (सिरसा) तथा बापौली (पानीपत) में नये पोलीटैक्निक खोले जाने प्रस्तावित हैं।

पर्यटन

हरियाणा पर्यटन देश में 'हाईवे टूरिज्म' तथा धरेलू पर्यटन को प्रोत्साहन देने के मामले में एक मिसाल बन गया है। राज्य में पर्यटकों की बढ़ती हुई संख्या को ध्यान में रखते हुये पर्यटन सेवाओं में सुधार किये जा रहे हैं। मेरी सरकार ने कुरुक्षेत्र को एक महत्वपूर्ण धार्मिक स्थल के रूप में विकसित करने तथा इसे राष्ट्रीय पर्यटन मानचित्र पर लाने के लिये एक महत्वाकांक्षी योजना तैयार की है। इस योजना के अन्तर्गत दिल्ली तथा चण्डीगढ़ से कुरुक्षेत्र के लिये 'पैकेज टूर' शुरू किये गये हैं। केन्द्रीय पर्यटन मन्त्रालय के सहयोग से 'लाईट एण्ड साऊंड शो' तथा पर्यटकों को आकर्षित करने के कई अन्य प्रस्ताव भी विचाराधीन हैं। इसी प्रकार मोरनी क्षेत्र में पर्यटन के विकास के लिये टिक्करताल में पर्यावरण पर्यटक स्थल स्थापित किया जाना प्रस्तावित है। ग्रामीण पर्यटन के विकास के लिये एक नई योजना बनाई जा रही है जिसके अन्तर्गत ऐतिहासिक एवम् सांस्कृतिक महत्व वाले गांवों का चयन किया जायेगा। इस योजना के अन्तर्गत इन गांवों में लगने वाले महत्वपूर्ण मेलों एवम् त्यौहारों को पर्यटकों (विशेषकर विदेशी पर्यटकों) को दिखाया जायेगा। चालू वित्त वर्ष में दिल्ली के नजदीक एथनिक इंडिया पर्यटक स्थल, राई (सोनीपत) में चालू किया गया है, जो राज्य में प्रवेश करने वाले पर्यटकों की मांग को पूरा करेगा।

खेल तथा युवा मामले

मेरी सरकार ने राज्य में खेलों को प्रोत्साहित करने के लिये एक नई खेल नीति बनाई है जिसका उद्देश्य खेलों के क्षेत्र में मूलभूत सुविधाओं को बढ़ाना तथा खेलों में अच्छा प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करना है। हरियाणा राज्य ने खेलों में नई ऊँचाईयों को छूते हुये हाल ही में पंजाब में सम्पन्न हुये राष्ट्रीय खेलों में 17 स्वर्ण, 20 रजत तथा 28 कांस्य पदक प्राप्त किये हैं।

मुझे आप सब को यह सूचित करते हुये हर्ष हो रहा है कि जन नायक चौधरी देवी लाल की याद में भारतीय खेल प्राधिकरण द्वारा गांव जोशी चौहान, जिला सोनीपत में 83 एकड़ भूमि पर अपना क्षेत्रीय केन्द्र खोलने का निर्णय लिया है। इस केन्द्र में खिलाड़ियों को अन्तर्राष्ट्रीय स्तर की सभी सुविधाएं मिल पाएंगी।

पशुपालन

माननीय सदस्यगण, कृषि के साथ-साथ पशुपालन भी हरियाणा राज्य में ग्रामीण लोगों के लिये रोज़गार व छोटे किसानों तथा कृषि मज़दूरों की आय में बढ़ौतरी का एक प्रमुख साधन है। राज्य में कुल पशु धन लगभग 114 लाख है। दुधारू पशुओं की अच्छी देखभाल के परिणाम-स्वरूप राज्य में दूध की उपलब्धता 637 ग्राम प्रतिदिन प्रति व्यक्ति है जोकि देश में दूसरे स्थान पर है। चालू वित्त वर्ष के दौरान राज्य में 32 नये पशु चिकित्सालय तथा 18 नये पशु औषधालय खोले गये हैं। मेरी सरकार ने राज्य में पशुपालन को बढ़ावा देने तथा गायों व भैंसों की नस्ल सुधार के लिये हरियाणा पशुधन विकास बोर्ड का गठन किया है। हरियाणा देश का पहला प्रदेश है जहां दुधारू पशुओं तथा बैलों की बीमा योजना लागू की गई है। इस योजना के अन्तर्गत बीमा की 50 प्रतिशत राशि हरियाणा पशुधन विकास बोर्ड द्वारा दी जाती है।

वन

राज्य में वनों के अधीन अधिकतर क्षेत्र सड़कों, नहरों तथा रेलवे लाईनों के साथ-साथ हरित पट्टियों के रूप में विकसित किया गया है। चालू वित्त वर्ष में विभिन्न परियोजनाओं के अन्तर्गत

10981 हैक्टेयर क्षेत्र में पौधारोपण का लक्ष्य रखा गया है जिसमें से जनवरी, 2002 तक 10081 हैक्टेयर भूमि पर लगभग 2 करोड़ 16 लाख पौधों का पौधारोपण किया जा चुका है। वर्ष 2002-2003 में कुल 4 करोड़ 50 लाख पौधे लगाने की योजना है।

राज्य में 'वन वनस्पति योजना' के अन्तर्गत विभिन्न औषधीय पौधों का वृक्षारोपण किया गया है। शिवालिक विकास एजैंसी की मदद से 50 लाख रुपये के निवेश से 50 एकड़ क्षेत्र में गांव चूहड़पुर, जिला यमुनानगर में 'चौधरी देवी लाल हर्बल नेचर पार्क' विकसित किया जा रहा है।

राज्य में यूरोपीय संघ की मदद से सामुदायिक वानिकी परियोजना चलाई जा रही है। इस परियोजना के अन्तर्गत स्थानीय लोगों के सहयोग से 126 करोड़ रुपये के निवेश से 300 गांवों में वृक्षारोपण किया जायेगा। शिवालिक तथा अरावली की पहाड़ियों के वन क्षेत्र के प्रबन्धन हेतु क्रमशः 60 पहाड़ी संसाधन प्रबन्धन समितियां तथा 294 ग्रामीण वन समितियां गठित की गई हैं।

सरकार राज्य में औद्योगिक एवं आर्थिक विकास के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण के प्रति भी पूर्ण रूप से सचेत है। राज्य में वन प्राणियों के संरक्षण पर विशेष बल दिया जा रहा है। देश में गिद्धों की तेजी से कम होती संख्या के मद्देनजर 'बाम्बे नेचुरल हिस्टरी सोसायटी' तथा अन्तर्राष्ट्रीय संस्थाओं के सहयोग से गिद्धों के प्रजनन का कार्यक्रम आरम्भ किया गया है। भारतीय उप-महाद्वीप में इस तरह का यह पहला कार्यक्रम है।

समाज कल्याण

मेरी सरकार ने वृद्धों, विधवाओं, बेसहारा औरतों व बच्चों तथा विकलांग व्यक्तियों को सामाजिक सुरक्षा प्रदान करने को प्राथमिकता दी है। सभी पात्र वृद्धों, विधवाओं, बेसहारा तथा विकलाँग व्यक्तियों को 200 रुपये प्रति माह की बढ़ी हुई दर से, समान रूप से पैंशन दी जा रही है।

राज्य सरकार वृद्धों की देखभाल को उचित प्राथमिकता दे रही है। ग्रामीण क्षेत्र में 265 नये 'ताऊ देवी लाल वृद्ध विश्राम गृहों' का निर्माण किया गया है तथा 248 वृद्ध विश्राम गृह निर्माणाधीन हैं।

अनुसूचित जातियों, पिछड़े वर्गों एवम् सफाई कर्मचारियों को समाज में समानता दिलवाने के लिये इनमें शिक्षा और प्रशिक्षण के लिये जागरूकता पैदा किये जाने पर विशेष बल दिया जा रहा है। इस लक्ष्य की प्राप्ति के लिये अनुसूचित जाति के छात्रों को दी जाने वाली छात्रवृत्तियों को दुगुणा कर दिया गया है जिस पर लगभग 8 करोड़ 43 लाख रुपये की राशि खर्च होगी। पिछड़ी जाति के छात्रों को भी 3 करोड़ 70 लाख रुपये की छात्रवृत्तियां दी जायेंगी। हरियाणा अनुसूचित जाति वित्त एवं विकास निगम, इस वित्त वर्ष में 12500 पात्र लाभार्थियों को 46 करोड़ 96 लाख रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान करेगा।

राज्य सरकार द्वारा अनुसूचित जाति के छात्रों का शैक्षणिक स्तर उठाने तथा अनुसूचित जाति से सम्बन्धित व्यक्तियों की दशा सुधारने हेतु विशेष योजना बनाने के लिये वित्त मंत्री की अध्यक्षता में एक समिति गठित की गई थी। इस समिति के अन्य सदस्य स्वास्थ्य राज्य मंत्री, शिक्षा राज्य मंत्री तथा समाज कल्याण राज्य मंत्री थे। इस समिति ने कुछ नये प्रोत्साहन देने की विभिन्न योजनायें लागू करने की सिफारिश की है, जिन पर 11 करोड़ रुपये खर्च किये जाएंगे। राज्य सरकार ने इन सिफारिशों को मानते हुये ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले अनुसूचित जाति के निर्धन एवम् मेधावी छात्रों को 10+2 की पढ़ाई पूरी करने के बाद आगे की पढ़ाई के लिये आवासीय सुविधा दिये जाने

का निर्णय लिया है। साथ ही उन्हें प्रतियोगी परीक्षाओं के लिये निःशुल्क आवासीय सुविधा तथा प्रशिक्षण दिया जाना प्रस्तावित है। इन स्कीमों के अन्तर्गत प्रत्येक छात्र को 700 रुपये प्रतिमास छात्रवृति, 1500 रुपये लेखन सामग्री व अन्य विविध खर्चों तथा दो हज़ार रुपये प्रति वर्ष पुस्तकों के लिये अनुदान दिया जायेगा।

राज्य में समेकित बाल विकास परियोजना (आई0 सी0 डी0 एस0) के अन्तर्गत छः माह से छः वर्ष तक की आयु वर्ग के 9 लाख 80 हज़ार बच्चों एवम् 2 लाख 29 हज़ार गर्भवती व दूध पिलाने वाली माताओं को पूरक पोषाहार दिया जा रहा है। मेरी सरकार ने महंगाई को देखते हुये पूरक पोषाहार की दरों में पर्याप्त वृद्धि की है। मुझे पूरी उम्मीद है कि इससे कुपोषण से होने वाले रोगों पर काबू पाया जा सकेगा तथा मातृ एवम् शिशु मृत्यु दर में कमी आयेगी।

मेरी सरकार ने जन-कल्याण कार्यों में लगी हरियाणा रैडक्रास सोसायटी, हरियाणा राज्य बाल कल्याण परिषद्, भारतीय ग्रामीण महिला संघ (हरियाणा शाखा), हरियाणा श्रवण एवं वाणी विकलांग कल्याण समिति, हिन्द कुष्ठ-निवारण संघ जैसी स्वयंसेवी संस्थाओं को प्रोत्साहित करने के लिये उन्हें वित्तीय और अन्य सुविधाएं देकर गरीबों, विकलांगों तथा असहाय व्यक्तियों की सहायता करने का सराहनीय कार्य किया है। मुझे आपको यह सूचित करते हुये अत्यंत प्रसन्नता हो रही है कि इन संस्थाओं ने मानव-सेवा के क्षेत्र में प्रशंसनीय भूमिका निभाई है।

ग्रामीण विकास एवं पंचायत

मेरी सरकार द्वारा चालू वित्त वर्ष में एच0 आर0 डी0 एफ0 से ग्रामीण विकास कार्यों के लिये दिसम्बर, 2001 तक 162 करोड़ रुपये की राशि दी जा चुकी है। इस राशि से राज्य के गांवों में पंचायत घर, बैकवर्ड चौपाल, अनुसूचित जातियों के लिये चौपाल, पशु हस्पताल, स्कूली कमरों, गलियों तथा नालियों का निर्माण किया जा रहा है।

ग्रामीण क्षेत्रों में गरीबी हटाने तथा बेरोज़गारों को रोज़गार के अवसर उपलब्ध करवाने के लिये 'स्वर्ण जयन्ती ग्राम स्व-रोज़गार योजना' चलाई जा रही है। इस योजना के अन्तर्गत दिसम्बर, 2001 तक 9 करोड़ 33 लाख रुपये की राशि से 9939 बेरोज़गार व्यक्तियों को स्व-रोज़गार उपलब्ध करवाया गया है। यह बड़ी खुशी की बात है कि इनमें से 4344 लाभार्थी अनुसूचित जाति से हैं तथा 5248 महिलायें हैं। 'जवाहर ग्राम समृद्धि योजना' के अन्तर्गत चालू वित्त वर्ष में 29 करोड़ 29 लाख रुपये की धन राशि स्वीकृत की गई है। दिसम्बर माह तक इस योजना में लगभग 13 करोड़ 63 लाख रुपये खर्च हुये हैं जिससे 9 लाख 35 हज़ार कार्य दिवसों का सृजन किया गया है। गांवों में निर्धन तथा भूमिहीन लोगों की आवास समस्या के समाधान के लिये इन्दिरा आवास योजना के अन्तर्गत चालू वित्त वर्ष में दिसम्बर, 2001 तक 3259 नये मकान बनाये गये हैं तथा 1601 मकानों का पुनर्निर्माण किया गया है।

सुनिश्चित रोज़गार योजना के अन्तर्गत दिसम्बर, 2001 तक लगभग 9 करोड़ 43 लाख रुपये खर्च करके 5 लाख 85 हज़ार कार्य दिवसों के रूप में रोज़गार जुटाया गया है। इस योजना के अन्तर्गत चालू वित्त वर्ष में 29 करोड़ 38 लाख रुपये की राशि खर्च की जानी प्रस्तावित है।

सांसद स्थानीय क्षेत्र विकास योजना (एम0 पी0 लोकल एरिया डिवलपमैंट स्कीम) के अन्तर्गत चालू वित्त वर्ष में लगभग 22 करोड़ 83 लाख रुपये की राशि से 2262 विकास कार्य पूरे किये जा चुके हैं तथा 1134 विकास कार्य प्रगति पर हैं।

स्वास्थ्य एवम् चिकित्सा शिक्षा

मेरी सरकार द्वारा स्वास्थ्य सेवाओं के लिये चालू वित्त वर्ष में 290 करोड़ 43 लाख रुपये की व्यवस्था की गई है। राज्य में स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार के लिये प्रभावशाली कदम उठाये जा रहे हैं जिसके अन्तर्गत राज्य में 3 हस्पताल, 4 सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, 10 प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र निर्माणाधीन हैं। राज्य सरकार ने वर्ष 2001-2002 में दवाईयों तथा चिकित्सा उपकरणों की खरीद के लिये 25 करोड़ 27 लाख रुपये की राशि की व्यवस्था की है जिसके अन्तर्गत सी0 टी0 स्केनर, लिथो ट्रिपलर, कलर डोपलर अल्ट्रासाउंड मशीनें, फीटल मोनीटर, एक्सरे मशीनें आदि खरीदी जाएंगी। कैंसर के ईलाज के लिये भिवानी में एक कोबाल्ट यूनिट लगाया जा रहा है।

राज्य में पोलियो की बीमारी को खत्म करने के लिये पल्स पोलियो अभियान चलाया गया है। इसी प्रकार राज्य से गिनी वर्म इन्फैक्शन को खत्म किया जा चुका है। राज्य में एड्स कन्ट्रोल प्रोग्राम के अन्तर्गत चालकों, परिचालकों, कैदियों तथा प्रवासी श्रमिकों को एड्स, एच0 आई0 वी0 एवम् यौन रोगों बारे मुफ्त जानकारी उपलब्ध कराई जा रही है। प्रजनन तथा शिशु स्वास्थ्य कार्यक्रम (आर0 सी0 एच0 प्रोजेक्ट) के अन्तर्गत राज्य के चार जिलों गुड़गांव, फरीदाबाद, कैथल तथा जींद में इस वर्ष 156 स्वास्थ्य शिविर लगाये गये हैं। इसी प्रकार गांव माण्डी-खेड़ा (गुड़गांव), नलवी (कुरुक्षेत्र), खारियां तथा चौटाला (सिरसा) में चार बड़े स्वास्थ्य मेलों का आयोजन किया गया। इन स्वास्थ्य मेलों में भारी संख्या में लोगों की सामान्य स्वास्थ्य जांच की गई तथा उन्हें चिकित्सा सम्बन्धी विशेष सेवाएं उपलब्ध कराई गई। भविष्य में भी ऐसे और स्वास्थ्य मेले तथा स्वास्थ्य शिविर लगाये जाने का प्रस्ताव है।

राष्ट्रीय राजमार्ग नं0-1 पर होने वाली दुर्घटनाओं के मद्देनजर आपातकालीन सेवाएं उपलब्ध कराने हेतु सामान्य हस्पताल करनाल में एक 'ट्रोमा सैंटर' निर्माणाधीन है जो इसी वर्ष चालू हो जाएगा। इसी प्रकार अन्य राष्ट्रीय राजमार्गों पर स्थित पलवल, रिवाड़ी तथा सिरसा शहरों में भी ट्रोमा सैंटर खोले जाने का प्रस्ताव है।

मेरी सरकार राज्य में पुरूषों की अपेक्षा महिलाओं के कम हो रहे अनुपात के प्रति चिन्तित है इसलिये राज्य में कन्या भ्रूण हत्या रोकने के लिये 'प्री-नेटल डायग्नोस्टिक तकनीक एक्ट, 1994' को पूरे राज्य में लागू किया गया है। इस एक्ट के अन्तर्गत राज्य के लगभग सभी अल्ट्रा-साउण्ड क्लीनिकों को पंजीकृत किया गया है।

राज्य में मेवात के लोगों को अच्छी स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने के लिये गांव माण्डीखेड़ा, जिला गुड़गांव में एक 50 बिस्तरों का हस्पताल बनाया गया है। इस हस्पताल में चिकित्सा सम्बन्धी सभी नवीनतम तकनीकी उपकरण एवं मशीनें उपलब्ध हैं। पी0 जी0 आई0 रोहतक के आपातकालीन सेवाएं विभाग में सभी आधुनिकतम सेवाओं सहित एक 12 बिस्तर वाले इन्टेंसिव केयर यूनिट की भी स्थापना की गई है।

राज्य में लोगों की मांग को देखते हुये एलोपेथी के विकल्प के रूप में आयुर्वेदिक तथा होम्योपैथिक चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध करवाई जा रही हैं। इस समय राज्य में 424 आयुर्वेदिक, 20 यूनानी तथा 20 होम्योपैथिक औषद्यालय एवम् 6 आयुर्वेदिक प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र कार्यरत हैं। चालू वित्त वर्ष में इस चिकित्सा पद्धति के अन्तर्गत 21 करोड़ 71 लाख रुपये की व्यवस्था की गई है।

श्रम एवम् रोज़गार

मेरी सरकार ने श्रमिकों के कल्याण तथा औद्योगिक उत्पादन को ध्यान में रखते हुये औद्योगिक सुरक्षा एवम् सौहार्दपूर्ण औद्योगिक सम्बन्धों का वातावरण बनाये रखने के लिये आवश्यक कदम उठाये हैं। राज्य में श्रमिकों के अधिकारों की रक्षा के लिये न्यूनतम वेतन कानून लागू है। सरकार ने राज्य में न्यूनतम वेतन 1905 रुपये प्रति माह से बढ़ाकर 2050 रुपये प्रति माह कर दिया है। राज्य सरकार ने श्रमिकों को बेहतर चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध करवाने हेतु कर्मचारी बीमा निगम के माध्यम से गुड़गांव में 100 बिस्तरों के 'सुपर स्पैशियलिटी हास्पीटल' की स्थापना के लिये मंजूरी दी है।

बेरोजगारी एक विकट समस्या है। अंग्रेजी में कहावत है 'A hungry man is an angry man'. राज्य में बेरोजगार युवकों को रोजगार उपलब्ध कराने तथा उन्हें उचित मार्गदर्शन देने के लिये राज्य सरकार द्वारा 22 व्यावसायिक मार्गदर्शन इकाईयां चलाई जा रही हैं। इन व्यावसायिक मार्गदर्शन इकाईयों ने चालू वित्त वर्ष में नवम्बर, 2001 तक 1 लाख 25 हजार प्रार्थियों को मार्गदर्शन देने का कार्य किया है। सरकार की औद्योगिक नीति के फलस्वरूप राज्य में शहरी एवम् ग्रामीण युवकों को स्व:रोजगार के अनेक अवसर मिले हैं। रोजगार कार्यालयों के माध्यम से चालू वित्त वर्ष में नवम्बर, 2001 तक 3447 प्रार्थियों को रोजगार उपलब्ध करवाया गया है। रोजगार विभाग के प्रयत्नों के फलस्वरूप इस अवधि में 1847 प्रार्थियों को स्व:रोजगार हेतु 8 करोड़ 41 लाख रुपये की राशि ऋण के रूप में स्वीकृत करवाई गई है ताकि वे अपना खुद का काम-धन्धा शुरू कर सकें।

आबकारी व कराधान

माननीय सदस्यगण, आप सभी जानते हैं कि मेरी सरकार राज्य के प्रत्येक गांव व शहर में विकास कार्य कर रही है। इन विकास कार्यों के लिये वित्तीय संसाधन जुटाने में आबकारी व कराधान विभाग अहम् भूमिका निभाता है। चालू वित्त वर्ष में दिसम्बर, 2001 तक आबकारी व कराधान विभाग के राजस्व में 12.32 फीसदी की वृद्धि हुई है। राज्य सरकार ने व्यापारियों एवम् करदाताओं की सहूलियत के लिये 'डीमड कर निर्धारण योजना' प्रारम्भ की है। इस योजना के अन्तर्गत 5 करोड़ रुपये की आमद के केसों को डीमड निर्धारण में लागू किया है। व्यापारियों को अपने व्यापार सम्बन्धी लेखा-जोखा प्रस्तुत करते समय केन्द्रीय बिक्री-कर फार्मों के अतिरिक्त किसी प्रकार का कोई और फार्म नहीं देना होगा। यदि उस द्वारा प्रस्तुत विवरणी के साथ प्राप्त सूचियों के सत्यापन करने पर कोई कमी न पाई गई हो तो ऐसे केसों को डीमड निर्धारित समझा जायेगा। इस योजना से करदाताओं एवम् व्यापारियों को राहत मिलेगी। सरकार ने 'हरियाणा सामान्य विक्रय अधिनियम 1973' के अन्तर्गत बिक्री-कर की अन्तिम विवरणी के साथ घोषणा पत्र दायर करने की अनिवार्यता को समाप्त कर दिया है। राज्य में सिनेमा उद्योग को बढ़ावा देने के लिए सरकार ने मनोरंजन कर 125 फीसदी से घटाकर 50 फीसदी कर दिया है। इसके अतिरिक्त शो-टैक्स भी समाप्त कर दिया है।

कानून व्यवस्था

माननीय सदस्यगण, आप सब जानते हैं कि आज हमारे देश को एक पड़ोसी देश द्वारा परोक्ष रूप से चलाए जा रहे आंतकवाद से जूझना पड़ रहा है। 13 दिसम्बर, 2001 को

आंतकवादियों ने संसद पर हमला किया जिसमें हमारे सुरक्षा कर्मियों ने अदम्य साहस के साथ अपनी जान पर खेल कर सभी आंतकवादियों को मार गिराकर उनके नापाक इरादों को नाकाम कर दिया। हमें आने वाले समय में इस बारे बहुत ही सचेत रहने की आवश्यकता है। मुझे अपने राज्य के पुलिस बल पर पूरा भरोसा है। राज्य में कानून एवम् व्यवस्था पूरी तरह से नियन्त्रण में है। राज्य में हर प्रकार से शान्ति, जातीय भाईचारे एवम् सुरक्षा का माहौल है। इस वर्ष पूरे राज्य में कहीं कोई मजदूर आन्दोलन अथवा मिलों में तालाबन्दी नहीं हुई। किसी भी शिक्षण संस्थान तथा कृषि क्षेत्र में कोई आन्दोलन नहीं हुआ। राज्य में अल्पसंख्यकों, महिलाओं तथा कमजोर वर्गों की सुरक्षा का पूरा ध्यान रखा गया है।

मेरी सरकार राज्य के सभी नागरिकों को सुरक्षा प्रदान करने तथा राज्य में अमन-चैन बनाये रखने के लिये वचनबद्ध है। राज्य में अपराध से निपटने के लिये पुलिस बल का आधुनिकीकरण किया जा रहा है। इसके लिये चालू वित्त वर्ष में 51 करोड़ 37 लाख रुपये की व्यवस्था की गई है। पुलिस के आधुनिकीकरण से असामाजिक तत्वों, साम्प्रदायिक तत्वों, अपराधियों एवम् उग्रवादियों की हर चुनौती को प्रभावशाली ढंग से निपटने के लिये मदद मिलेगी।

माननीय सर्वोच्च न्यायालय ने अपने 17-1-2001 को दिए गए निर्णय अनुसार 1995 में की गई 1600 पुरुष एवम् 85 महिला सिपाहियों की भर्ती निरस्त कर दी थी। सरकार ने माननीय सर्वोच्च न्यायालय के आदेशानुसार 1562 पुरुष व 85 महिला सिपाहियों की भर्ती निष्पक्ष रूप से की है। 114 प्रतिभावान खिलाड़ियों को भी पुलिस में भर्ती किया गया है। इसके अतिरिक्त 'प्रथम भारत रिजर्व बटालियन' के लिये 675 पुरुष सिपाहियों की भर्ती की जा रही है। महिलाओं के साथ होने वाले अपराधों की रोकथाम के लिये 270 महिला सिपाहियों की भर्ती भी की जा रही है।

माननीय सदस्यगण, मुझे अपने राज्य के सभी अधिकारियों एवम् कर्मचारियों की कार्यकुशलता एवम् निष्ठा पर पूरा भरोसा है। उन पर जनता को एक स्वच्छ, पारदर्शी एवम् कुशल प्रशासन देने का उत्तरदायित्व है। मेरी सरकार लोगों को एक ऐसा प्रशासन देना चाहती है, जहां प्रत्येक नागरिक सम्मान के साथ अपना जीवन व्यतीत कर सके, जहां किसान को खेती के लिये सभी सहूलियतें तथा उसकी फसल का उचित मूल्य, मजदूर को उसका सही पारिश्रमिक, व्यापारी को ईमानदारी से अपना व्यापार बढ़ाने के अवसर तथा उद्यमियों एवम् उद्योगपतियों को राज्य में नये कारखाने लगाने के लिये हर प्रकार की सुविधा मिले। जहां किसी प्रकार के भय का वातावरण न हो तथा अपराधियों व असामाजिक तत्वों को प्रशासन का डर हो ताकि वे अपना सिर न उठा सकें। राज्य में चारों ओर सुख, शान्ति एवम् समृद्धि का वातावरण हो।

माननीय सदस्यगण, मेरा यह अभिभाषण, सरकार के नीतिगत कार्यक्रम की रूपरेखा है। इन सभी मुद्दों पर आपका चिन्तन, मनन तथा सृजनात्मक परिचर्चा राज्य के सर्वांगीण विकास में सहायक होगी। मुझे पूर्ण विश्वास है कि आप सब मिल कर हरियाणा प्रदेश की जनता की समस्याओं का हल ढूंढने में कामयाब होंगे।

मेरी ओर से एक बार फिर बजट सत्र के लिये आप सभी को शुभ कामनायें।

जय हिन्द !

शोक प्रस्ताव

Mr. Speaker : Hon'ble Members, now, the Chief Minister will make obituary references.

श्री जी0 एम0 सी0 बालयोगी, लोक सभा अध्यक्ष

मुख्य मंत्री (श्री ओम प्रकाश चौटाला) : अध्यक्ष महोदय, यह सदन लोक सभा के अध्यक्ष श्री जी0एम0सी0 बालयोगी के 3 मार्च, 2002 को आन्ध्र प्रदेश में हैलीकॉप्टर दुर्घटना में हुए असामयिक एवं दु:खद निधन पर गहरा शोक प्रकट करता है।

उनका जन्म 1 अक्तूबर, 1951 को हुआ। उन्होंने स्नातकोत्तर तथा बी0एल0 की डिग्रियां प्राप्त कीं। वह 1991 में लोक सभा के लिए चुने गए। वह 1996 में आन्ध्र प्रदेश विधान सभा के लिए चुने गए और 1996 से 1998 तक मन्त्री रहे। वह पुन: 1998 एवं 1999 में लोक सभा के लिए चुने गए और दोनों बार लोक सभा के अध्यक्ष बने।

उन्होंने अनेक देशों का भ्रमण किया। उन्होंने आस्ट्रेलिया, कनाडा, फ्रांस, जर्मनी, इटली, जापान, अमेरिका, इग्लैण्ड, दक्षिणी अफ्रीका, सिंगापुर और स्विटजरलैण्ड में भारतीय संसदीय शिष्टमण्डलों का नेतृत्व किया। उन्होंने अन्तर-संसदीय संघ में भारत का प्रतिनिधित्व किया और इसके अन्तर्राष्ट्रीय समूह के अध्यक्ष रहे। उन्होंने भारतीय संसदीय समूह तथा कामनवैल्थ संसदीय संगठन की भारतीय शाखा की अध्यक्षता की।

आन्ध्र प्रदेश सरकार में शिक्षा मंत्री के तौर पर उन्होंने शिक्षा पद्धति को सुदृढ़ करने के लिए कई महत्वपूर्ण कदम उठाए। उन्होंने हमेशा गरीबों और दलितों के उत्थान में गहरी रूचि ली।

उन्होंने लोक सभा की कार्यवाही के संचालन में उच्च मानदण्ड स्थापित किए। वह न केवल संसदीय नियमों को प्रभावशाली ढंग से लागू करते थे वरन् कठिन परिस्थितियों में अपने विनोदप्रिय स्वभाव से संसद में गम्भीर वातावरण को सरस बनाने में भी माहिर थे।

उनके निधन से देश एक महान् सांसद, प्रख्यात राजनीतिज्ञ और एक योग्य प्रशासक की सेवाओं से वंचित हो गया है। यह सदन दिवंगत के शोक-संतप्त परिवार के सदस्यों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता है।

अध्यक्ष महोदय, मेरा उनसे व्यक्तिगत तौर पर बहुत घनिष्ठ सम्बन्ध रहा है। व्यक्तिगत तौर पर उस व्यक्ति का कोई मुकाबला नहीं था। वे एक उच्च आदर्श के व्यक्तित्व के मालिक थे। उनकी हमेशा एक सोच रहती थी कि वे लोगों की ज्यादा से ज्यादा सेवा कर सकें। हर वक्त उनके चेहरे पर मुस्कान रहती थी। आज उनके निधन से न केवल हम सब बल्कि सारा का सारा देश एक अच्छे इन्सान से और एक अच्छे राजनेता और एक अच्छे पार्लियामेंटेरियन की सेवाओं से वंचित हो गया है। यह सदन दिवंगत के शोक संतप्त परिवार के सदस्यों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता है।

श्री ओम प्रकाश महाजन, हरियाणा के भूतपूर्व मंत्री

यह सदन हरियाणा के भूतपूर्व मंत्री श्री ओम प्रकाश महाजन के 25 नवम्बर, 2001 को हुए दु:खद निधन पर गहरा शोक प्रकट करता है।

उनका जन्म 15 जनवरी, 1932 को हुआ। वह 1982 और 1996 में हरियाणा विधान सभा के सदस्य चुने गए। वह 1985 से 1987 तक राज्य मंत्री और 1997 से 2000 के दौरान मंत्री रहे।

[श्री ओम प्रकाश चौटाला]

उनके निधन से राज्य एक अनुभवी विधायक एवं योग्य प्रशासक की सेवाओं से वंचित हो गया है। यह सदन दिवंगत के शोक-संतप्त परिवार के सदस्यों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता है।

श्री गजराज बहादुर नागर, हरियाणा के भूतपूर्व मंत्री

यह सदन हरियाणा के भूतपूर्व मंत्री श्री गजराज बहादुर नागर के 9 नवम्बर, 2001 को हुए दुःखद निधन पर गहरा शोक प्रकट करता है।

उनका जन्म 1 अक्तूबर, 1929 को हुआ। वह विधि स्नातक थे। उन्होंने समाज के कमजोर वर्गों के उत्थान के लिये बहुत काम किया। वह 1977 में हरियाणा विधान सभा के सदस्य चुने गए तथा 1977 से 1982 तक मंत्री रहे। उन्होंने चीन, इंडोनेशिया और इज़रायल में कई सम्मेलनों में भाग लिया।

उनके निधन से राज्य एक अनुभवी विधायक एवं योग्य प्रशासक की सेवाओं से वंचित हो गया है। यह सदन दिवंगत के शोक-संतप्त परिवार के सदस्यों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता है।

श्री हुकम सिंह, हरियाणा के भूतपूर्व राज्य मंत्री

यह सदन हरियाणा के भूतपूर्व राज्य मंत्री श्री हुकम सिंह के 1 दिसम्बर, 2001 को हुए दुःखद निधन पर गहरा शोक प्रकट करता है।

उनका जन्म 12 जून, 1922 को हुआ। वह विधि स्नातक थे। वह 1957 से 1962 तक संयुक्त पंजाब विधान सभा के सदस्य रहे। वह 1991 में हरियाणा विधान सभा के सदस्य चुने गए तथा 1991 से 1996 तक राज्य मंत्री रहे।

उनके निधन से राज्य एक अनुभवी विधायक एंव योग्य प्रशासक की सेवाओं से वंचित हो गया है। यह सदन दिवंगत के शोक-संतप्त परिवार के सदस्यों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता है।

राव सीस राम, हरियाणा विधान सभा के भूतपूर्व सदस्य

यह सदन हरियाणा विधान सभा के भूतपूर्व सदस्य राव सीस राम के 10 जनवरी, 2002 को हुए दुःखद निधन पर गहरा शोक प्रकट करता है।

उनका जन्म 9 जनवरी, 1910 को हुआ। वह 1968 में हरियाणा विधान सभा के सदस्य चुने गए।

उनके निधन से राज्य एक योग्य विधायक की सेवाओं से वंचित हो गया है। यह सदन दिवंगत के शोक-संतप्त परिवार के सदस्यों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता है।

श्रीमती सरला ग्रेवाल, भूतपूर्व राज्यपाल मध्य प्रदेश

यह सदन श्रीमती सरला ग्रेवाल भूतपूर्व राज्यपाल मध्य प्रदेश के 29 जनवरी, 2002 को हुए दुःखद निधन पर गहरा शोक प्रकट करता है।

उनका जन्म 4 अक्तूबर, 1927 को हुआ। उन्होंने 1952 में भारतीय प्रशासनिक सेवा में प्रवेश किया। वह पंजाब सरकार, भारत सरकार एवं कई अन्तर्राष्ट्रीय संस्थाओं में विभिन्न महत्वपूर्ण पदों

पर रहीं। वह 1989-90 के दौरान मध्य प्रदेश की राज्यपाल रहीं। वह अप्रैल, 2000 में ट्रिब्यून ट्रस्ट की प्रथम महिला अध्यक्ष बनीं।

उनके निधन से देश एक योग्य प्रशासक की सेवाओं से वंचित हो गया है। यह सदन दिवंगत के शोक-संतप्त परिवार के सदस्यों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता है।

श्री महावीर प्रसाद जैन, एक प्रख्यात वकील

यह सदन प्रख्यात वकील श्री महावीर प्रसाद जैन के 3 जनवरी, 2002 को हुए दुःखद निधन पर गहरा शोक प्रकट करता है।

उनका जन्म 1 जून, 1899 को हुआ। उन्होंने विधि में डिग्री प्राप्त कर 1922 में वकालत शुरू की। 80 वर्ष के लम्बे समय तक सक्रिय वकालत करने के कारण उनका नाम लिम्का बुक आफ वर्ल्ड रिकार्ड में शामिल किया गया है। वह कई धार्मिक और सामाजिक संस्थाओं से जुड़े हुए थे। वह हमेशा युवा वकीलों के लिए प्रेरणा स्रोत बने रहेंगे।

उनके निधन से राज्य एक प्रख्यात वकील और सामाजिक कार्यकर्ता की सेवाओं से वंचित हो गया है। यह सदन दिवंगत के शोक-संतप्त परिवार के सदस्यों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता है।

अध्यक्ष महोदय, मेरा उनसे व्यक्तिगत तथा घनिष्ट सम्बन्ध और सम्पर्क रहा है। पारिवारिक तौर पर भी वे सदा ही हर मामले में हमारे वकील के तौर पर काम करते रहे। उनके साथ मुझे बहुत लम्बे समय तक आपस में कई मर्तबा विचार-विमर्श करने का अवसर मिला। वैसे भी कोई व्यक्ति उनसे किसी तरह की राय लेने के लिए जाता था तो वे एक नेक इन्सान के नाते बहुत अच्छी सलाह दिया करते थे। कई सामाजिक संगठनों के साथ भी जुड़े होने के कारण समाज में उनका बहुत अच्छा रूतबा था।

उनके निधन से राज्य एक प्रख्यात वकील और सामाजिक कार्यकर्ता की सेवाओं से वंचित हो गया है। यह सदन दिवंगत के शोक-संतप्त परिवार के सदस्यों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता है।

संसद पर आतंकवादी हमले में मारे गए सुरक्षा कर्मी

यह सदन 13 दिसम्बर, 2001 को संसद पर हुए आतंकवादी हमले में अपने जीवन का बलिदान देने वाले वीर सुरक्षा कर्मियों के प्रति अपना शोक प्रकट करता है।

इन सुरक्षा कर्मियों ने आतंकवाद के विरूद्ध लड़ाई में अपने जीवन का बलिदान देकर अदम्य साहस और बहादुरी की सर्वोच्च मिसाल कायम की है।

यह सदन आतंकवादी गतिविधियों की कड़ी निन्दा करता है और शोक-संतप्त परिवार के सदस्यों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता है।

इन सुरक्षा कर्मियों ने आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में अपने जीवन का बलिदान देकर अदम्य साहस और बहादुरी की सर्वोच्च मिसाल ही कायम नहीं की वरन हमारे जनतन्त्र को बहाल रखने के लिए उन्होंने उस स्थान पर गए आतंकवादियों को समाप्त करने में अपने बलिदान दिए, जो केवल मिट्टी और सीमेंट की दीवारों को तोड़ने के लिए नहीं बल्कि हमारे जनतन्त्र को समाप्त करने की दुर्भावना लेकर हमारे देश में आये थे। अध्यक्ष महोदय, यह सदन आतंकवादी गतिविधियों की कड़ी निन्दा करता है और शोक-संतप्त परिवार के सदस्यों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता है।

[श्री ओम प्रकाश चौटाला]

कोलकाता में अमेरिकन सैंटर पर हुए आतंकवादी हमले में मारे गए पुलिस कर्मी

यह सदन 22 जनवरी, 2002 को कोलकाता में अमेरिकन सैंटर पर आतंकवादी हमले में मारे गए पुलिस कर्मियों के प्रति गहरा शोक प्रकट करता है।

यह सदन आतंकवादी गतिविधियों की कड़ी निन्दा करता है और शोक-संतप्त परिवारों के सदस्यों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता है।

गुजरात में गोधरा के निकट साबरमती एक्सप्रेस तथा अन्य स्थानों पर मारे गये लोग

यह सदन हाल ही में गुजरात में गोधरा के निकट साबरमती एक्सप्रेस तथा देश के अन्य स्थानों पर हुई साम्प्रदायिक हिंसा में मारे गये निर्दोष लोगों के प्रति अपना गहरा शोक प्रकट करता है।

यह सदन साम्प्रदायिक हिंसा की घिनौनी हरकतों की कड़ी निन्दा करता है और शोक-संतप्त परिवारों के सदस्यों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता है।

लैफ्टिनैंट वीर सिंह, स्वतन्त्रता सेनानी

यह सदन लैफ्टिनैंट वीर सिंह, स्वतन्त्रता सेनानी के 22 फरवरी, 2002 को हुए दुःखद निधन पर गहरा शोक प्रकट करता है।

उनका जन्म 16 अप्रैल, 1919 को हुआ। वह 1936 में ब्रिटिश इण्डियन आर्मी में भर्ती हुए। वह नेताजी सुभाष चन्द्र बोस के आह्वान पर आजाद हिन्द फौज में भर्ती हो गये। उन्होंने द्वितीय विश्व युद्ध में भाग लिया। वह कई बार जेल गए। वह अनेक सामाजिक संस्थाओं से जुड़े हुये थे।

उनके निधन से देश एक स्वतन्त्रता सेनानी व सच्चे देशभक्त की सेवाओं से वंचित हो गया है। यह सदन दिवंगत के शोक-संतप्त परिवार के सदस्यों के प्रति हार्दिक संवेदना प्रकट करता है।

श्री रण सिंह, स्वतन्त्रता सेनानी

यह सदन श्री रण सिंह, स्वतन्त्रता सेनानी के 13 जनवरी, 2002 को हुए दुःखद निधन पर गहरा शोक प्रकट करता है।

उनका जन्म 1909 में हुआ। वह आजाद हिन्द फौज में भर्ती हुए। वह नेताजी सुभाष चन्द्र बोस के सहयोगी थे। उन्होंने द्वितीय विश्व युद्ध में भाग लिया। उन्हें ताम्र पत्र तथा युद्ध पदकों से सम्मानित किया गया।

उनके निधन से देश एक स्वतन्त्रता सेनानी व सच्चे देशभक्त की सेवाओं से वंचित हो गया है। यह सदन दिवंगत के शोक-संतप्त परिवार के सदस्यों के प्रति हार्दिक संवेदना प्रकट करता है।

श्री भंवर लाल बहमणी, स्वतन्त्रता सेनानी

यह सदन श्री भंवर लाल बहमणी, स्वतन्त्रता सेनानी के 20 दिसम्बर, 2001 को हुए दुःखद निधन पर गहरा शोक प्रकट करता है।

उनका जन्म 18 जनवरी, 1921 को हुआ। वह आजाद हिन्द फौज में भर्ती हुए। वह सिंगापुर और लखनऊ की जेलों में रहे।

उनके निधन से देश एक स्वतन्त्रता सेनानी व सच्चे देशभक्त की सेवाओं से वंचित हो गया है। यह सदन दिवंगत के शोक-संतप्त परिवार के सदस्यों के प्रति हार्दिक संवेदना प्रकट करता है।

श्री झाबर सिंह, स्वतन्त्रता सेनानी

यह सदन श्री झाबर सिंह, स्वतन्त्रता सेनानी के 17 फरवरी, 2002 को हुए दुःखद निधन पर गहरा शोक प्रकट करता है।

वह 1940 में आज़ाद हिन्द फौज में भर्ती हुए। वह रंगून, कोलकाता तथा जिगरकच्छ की जेलों में 6 वर्ष तक रहे। उन्हें 'ताम्र पत्र' से सम्मानित किया गया।

उनके निधन से देश एक स्वतन्त्रता सेनानी व सच्चे देशभक्त की सेवाओं से वंचित हो गया है। यह सदन दिवंगत के शोक-संतप्त परिवार के सदस्यों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता है।

चौधरी राम नाथ, स्वतन्त्रता सेनानी

यह सदन चौधरी राम नाथ, स्वतन्त्रता सेनानी के 1 जनवरी, 2002 को हुए दुःखद निधन पर गहरा शोक प्रकट करता है।

वह 1937 में 'आज़ाद हिन्द फौज' में भर्ती हुए। वह 6 वर्ष तक जेल में रहे।

उनके निधन से देश एक स्वतन्त्रता सेनानी व सच्चे देशभक्त की सेवाओं से वंचित हो गया है। यह सदन दिवंगत के शोक-संतप्त परिवार के सदस्यों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता है।

श्री किशोरी लाल, स्वतन्त्रता सेनानी

यह सदन श्री किशोरी लाल, स्वतन्त्रता सेनानी के 14 फरवरी, 2002 को हुए दुःखद निधन पर गहरा शोक प्रकट करता है।

उनका जन्म 19 सितम्बर, 1919 को हुआ। उन्होंने स्वतन्त्रता सेनानी आन्दोलन में सक्रिय भाग लिया और कई बार जेल गए। उन्हें 1972 में 'ताम्र पत्र' से सम्मानित किया गया। उन्हें 1985 में राज्य सरकार द्वारा भी सम्मानित किया गया।

उनके निधन से देश एक स्वतन्त्रता सेनानी व सच्चे देशभक्त की सेवाओं से वंचित हो गया है। यह सदन दिवंगत के शोक-संतप्त परिवार के सदस्यों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता है।

श्री दरबारा सिंह माक्खा, स्वतन्त्रता सेनानी

यह सदन श्री दरबारा सिंह माक्खा, स्वतन्त्रता सेनानी के 23 नवम्बर, 2001 को हुए दुःखद निधन पर गहरा शोक प्रकट करता है।

[श्री ओम प्रकाश चौटाला]

उनका जन्म 1922 को हुआ। वह 'ब्रिटिश इण्डियन आर्मी' में भर्ती हुए और उन्होंने दूसरे विश्व युद्ध में भाग लिया। बाद में वह 'आजाद हिन्द फौज' में भर्ती हुए। वह कई बार जेल गए। उन्हें 'ताम्र पत्र' से सम्मानित किया गया।

उनके निधन से देश एक स्वतन्त्रता सेनानी व सच्चे देशभक्त की सेवाओं से वंचित हो गया है। यह सदन दिवंगत के शोक-संतप्त परिवार के सदस्यों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता है।

श्री खिवन सिंह, स्वतन्त्रता सेनानी

यह सदन श्री खिवन सिंह, स्वतन्त्रता सेनानी के 14 जनवरी, 2002 को हुए दु:खद निधन पर गहरा शोक प्रकट करता है।

उनका जन्म 1921 को हुआ। वह 'ब्रिटिश इण्डियन आर्मी' में भर्ती हुए और उन्होंने दूसरे विश्व युद्ध में भाग लिया। वह 1942 में 'आजाद हिन्द फौज' में भर्ती हुए। वह कई बार जेल गए। उन्हें 'ताम्र पत्र' से सम्मानित किया गया।

उनके निधन से देश एक स्वतन्त्रता सेनानी व सच्चे देशभक्त की सेवाओं से वंचित हो गया है। यह सदन दिवंगत के शोक-संतप्त परिवार के सदस्यों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता है।

चौधरी नेकी राम, स्वतन्त्रता सेनानी

यह सदन चौधरी नेकी राम, स्वतन्त्रता सेनानी के 2 दिसम्बर, 2001 को हुए दु:खद निधन पर गहरा शोक प्रकट करता है।

उनका जन्म 24 फरवरी, 1923 को हुआ। वह 1946 में 'आजाद हिन्द फौज' में भर्ती हुए। उन्हें 'ताम्र पत्र' से सम्मानित किया गया।

उनके निधन से देश एक स्वतन्त्रता सेनानी व सच्चे देशभक्त की सेवाओं से वंचित हो गया है। यह सदन दिवंगत के शोक-संतप्त परिवार के सदस्यों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता है।

चौधरी दीपा राम, स्वतन्त्रता सेनानी

यह सदन चौधरी दीपा राम, स्वतन्त्रता सेनानी के 12 दिसम्बर, 2001 को हुए दु:खद निधन पर गहरा शोक प्रकट करता है।

उनका जन्म 1920 में हुआ। वह 1937 में 'ब्रिटिश इण्डियन आर्मी' में भर्ती हुए। बाद में वह 'आजाद हिन्द फौज' में भर्ती हुए। वह कई बार जेल गए। उन्हें 'ताम्र पत्र' से सम्मानित किया गया।

उनके निधन से देश एक स्वतन्त्रता सेनानी व सच्चे देशभक्त की सेवाओं से वंचित हो गया है। यह सदन दिवंगत के शोक-संतप्त परिवार के सदस्यों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता है।

अध्यक्ष महोदय, इन स्वतंत्रता सेनानियों समेत जितने भी देश भक्त देश की एकता और अखण्डता के लिए शहीद हुए हैं, उन शहीदों ने अपने बलिदान से देश का गौरव और सम्मान बढ़ाया है। आज उन्हीं लोगों के बलिदानों की वजह से हम स्वतंत्र भारत में एक अच्छे नागरिक के तौर पर जनतांत्रिक तरीके से अपनी समस्याओं के समाधान के लिए अपने मताधिकार से विधान सभाओं और लोकसभा में जनमानस की सेवा करने का संकल्प लेकर आए हैं। यह सदन पूर्ण रूप से उन देश भक्तों के प्रति जिनके बलिदान से देश का सम्मान और गौरव बढ़ा है, नमन करता है।

हरियाणा के शहीद

अध्यक्ष महोदय, हरियाणा के शहीद जिन्होंने देश की आन-बान और मर्यादा की रक्षा हेतु अपना बलिदान दिया।

यह सदन उन वीर सैनिकों को अपनी अश्रुपूर्ण नमन करता है जिन्होंने अपनी मातृभूमि की एकता और अखण्डता की रक्षा के लिये अदम्य साहस और वीरता से लड़ते हुए अपने जीवन का बलिदान दिया।

इन महान् शहीदों के नाम इस प्रकार हैं :—

1. मेजर उशनिशा जेटली, यमुनानगर
2. सूबेदार मान चन्द, गाँव सौंतली, अम्बाला
3. हवलदार विक्रम सिंह, गाँव बलबाड़ी, रिवाड़ी
4. हवलदार दीप चन्द, गाँव बंचारी, फरीदाबाद
5. नायक शीश राम, गाँव संघू, गुड़गांव
6. नायक विजेन्द्र सिंह, गाँव बाढड़ा, भिवानी
7. नायक हुकम सिंह, गाँव भातुहेड़ा, रिवाड़ी
8. नायक सूर्य प्रकाश, गाँव बारवास, भिवानी
9. लांस नायक सुखदेव सिंह, गाँव डेरा सलीमपुर, अम्बाला
10. राईफलमैन सुरेन्द्र कुमार, गाँव बारना, कुरुक्षेत्र
11. सिपाही देवेन्द्र सिंह, रतिया, फतेहाबाद
12. सिपाही नानक चन्द, गाँव राठधाना, सोनीपत
13. सिपाही दिलबाग सिंह, गाँव इगराह, जींद
14. सिपाही रामफल, गाँव अकबरपुर, फरीदाबाद

[श्री ओम प्रकाश चौटाला]

15. सिपाही विनोद कुमार, गाँव पाटवान, भिवानी

16. सिपाही सुनील कुमार, गाँव रिटौली, रोहतक

17. सिपाही शमशेर सिंह, गाँव भुलवाना, फरीदाबाद

18. सिपाही सतीश कुमार, गाँव पड़ाना, जींद

19. सिपाही संजीव कुमार, गाँव मकराना, भिवानी

20. सिपाही सुरेश कुमार, गाँव ढाकल, जींद

21. सिपाही अमर चन्द, गाँव मंढौला, भिवानी

22. सिपाही राजबीर, गाँव काकरौली हथी, भिवानी

23. सिपाही दीपक, गाँव लिसाना, रिवाड़ी

24. सिपाही श्याम लाल, गाँव गोकलगढ़, रिवाड़ी

25. सिपाही प्रदीप चौहान, गाँव रतनथल, रिवाड़ी

26. सिपाही सूरजभान, गाँव बालावास, रिवाड़ी

यह सदन इन महान् वीरों की शहादत पर इन्हें शत-शत नमन करता है और इनके शोक-संतप्त परिवार के सदस्यों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता है।

यह सदन

हरियाणा के मन्त्री , श्री अशोक अरोड़ा की माता,
श्रीमती चानन देवी;

हरियाणा विधान सभा के सदस्य वैद्य कपूर चन्द की पत्नी,
श्रीमति दयावती;

हरियाणा विधान सभा के सदस्य श्री जगजीत सिंह सांगवान के भाई,
श्री अमरजीत ;

हरियाणा विधान सभा के सदस्य श्री सूरजमल के पिता,
चौधरी फतेह सिंह तथा

हरियाणा विधान सभा के सदस्य श्री बलवन्त सिंह मायना के चचेरे भाई,
श्री जय सिंह के दुःखद निधन पर गहरा शोक प्रकट करता है।

यह सदन दिवंगतों के शोक-संतप्त परिवार के सदस्यों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता है।

अध्यक्ष महोदय, मैं आपसे और सभी मैम्बर्ज से कहना चाहूंगा कि हरियाणा विधान सभा के सदस्य श्री बलवन्त सिंह माथना के चचेरे भाई का नाम श्री जय सिंह की बजाय श्री जय किशन माना जाये। यह सदन श्री जय किशन के दु:खद निधन पर गहरा शोक प्रकट करता है।

यह सदन दिवंगतों के शोक-संतप्त परिवारों के सदस्यों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता है।

चौधरी भजन लाल (आदमपुर) : अध्यक्ष महोदय, लोक सभा के अध्यक्ष श्री जी.एम.सी. बालयोगी के तीन मार्च, 2002 को यानी कल ही आन्ध्र प्रदेश में हैलीकॉप्टर दुर्घटना में हुए असामयिक एवं दु:खद निधन पर मैं गहरा शोक प्रकट करता हूं।

उनका जन्म 1 अक्टूबर, 1951 को हुआ। उन्होंने स्नातकोत्तर तथा बी.एल. की डिग्रियां प्राप्त कीं। वह 1991 में लोक सभा के लिए सदस्य चुने गए। वह 1996 में आन्ध्र प्रदेश विधान सभा के लिए चुने गए और 1996 से 1998 तक मंत्री रहे। वह पुन: 1998 एवं 1999 में लोक सभा के लिए चुने गए और दोनों बार लोक सभा के अध्यक्ष बने।

उन्होंने अनेक देशों का भ्रमण किया। उन्होंने आस्ट्रेलिया, कनाडा, फ्रांस, जर्मनी, इटली, जापान, अमेरिका, इंग्लैंड, दक्षिणी अफ्रीका, सिंगापुर और स्विटजरलैण्ड में भारतीय संसदीय शिष्टमंडलों का नेतृत्व किया। उन्होंने अन्तर-संसदीय संघ में भारत का प्रतिनिधित्व किया और इसके अन्तर्राष्ट्रीय समूह के अध्यक्ष रहे। उन्होंने भारतीय संसदीय समूह तथा कॉमनवैल्थ संसदीय संगठन की भारतीय शाखा की अध्यक्षता की।

आन्ध्र प्रदेश सरकार में शिक्षा मंत्री के तौर पर उन्होंने शिक्षा पद्धति को सुदृढ़ करने के लिए कई महत्वपूर्ण कदम उठाए। उन्होंने हमेशा गरीबों और दलितों के उत्थान में गहरी रुचि ली।

उन्होंने लोक सभा की कार्यवाही के संचालन में उच्च मानदण्ड स्थापित किए। वह न-केवल संसदीय नियमों को प्रभावशाली ढंग से लागू करते थे वरन कठिन परिस्थितियों में अपने विनोदप्रिय स्वभाव से संसद में गम्भीर वातावरण को सरस बनाने में भी माहिर थे।

उसके निधन से देश एक महान सांसद, प्रख्यात राजनीतिज्ञ और एक योग्य प्रशासक की सेवाओं से वंचित हो गया है। मैं अपनी तरफ से और अपनी पार्टी की तरफ से दिवंगत के शोक संतप्त परिवार के सदस्यों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता हूं।

अध्यक्ष महोदय, मैं हरियाणा के भूतपूर्व मंत्री श्री ओम प्रकाश महाजन के 25 नवम्बर, 2001 को हुए दु:खद निधन पर भी गहरा शोक प्रकट करता हूं।

उनका जन्म 15 जनवरी, 1932 को हुआ। वह 1982 और 1996 में हरियाणा विधान सभा के सदस्य चुने गए। वह 1985 से 1987 तक राज्य मंत्री और 1997 से 2000 के दौरान मंत्री रहे।

उनके निधन से राज्य एक अनुभवी विधायक एवं योग्य प्रशासक की सेवाओं से वंचित हो गया है। मैं अपनी तरफ से और अपनी पार्टी की तरफ से दिवंगत के शोक संतप्त परिवार के सदस्यों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता हूं।

[चौधरी भजन लाल]

अध्यक्ष महोदय, इसी तरह से हरियाणा के भूतपूर्व मंत्री श्री गजराज बहादुर नागर के 9 नवम्बर, 2001 को हुए दु:खद निधन पर भी मैं गहरा शोक प्रकट करता हूं।

उनका जन्म 1 अक्तूबर, 1929 को हुआ। वह विधि स्नातक थे। उन्होंने समाज के कमजोर वर्गों के उत्थान के लिये बहुत काम किया। वह 1977 में हरियाणा विधान सभा के सदस्य चुने गए तथा 1977 से 1982 तक मंत्री रहे।

उनके निधन से राज्य एक अनुभवी विधायक एवं योग्य प्रशासक की सेवाओं से वंचित हो गया हैं। मैं अपनी तरफ से और अपनी पार्टी की तरफ से दिवंगत के शोक संतप्त परिवार के सदस्यों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता हूं।

अध्यक्ष महोदय, श्री हुकम सिंह हरियाणा के भूतपूर्व राज्यमंत्री के 1 दिसंबर, 2001 को हुए दु:खद निधन पर मैं अपनी तरफ से व अपनी पार्टी के सदस्यों की तरफ से गहरा शोक प्रकट करता हूं।

अध्यक्ष महोदय, वे मेरी कैबिनेट में मंत्री भी रहे, वे बहुत सुलझे हुए व्यक्ति थे । उनका जन्म 12 जून, 1922 को हुआ। वह विधि स्नातक थे । वह 1957 से 1962 तक संयुक्त पंजाब विधान सभा के सदस्य चुने गए तथा 1991 से 1996 तक राज्य मंत्री रहे। उनके निधन से राज्य एक अनुभवी विधायक एवं योग्य प्रशासक की सेवाओं से वंचित हो गया है। यह सदन दिवंगत के शोक संतप्त परिवार के सदस्यों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता है। इसी तरह से राव सीस राम हरियाणा विधान सभा के भूतपूर्व सदस्य के दु:खद निधन पर भी मैं गहरा शोक प्रकट करता हूं। उनका जन्म 9 जनवरी, 1910 को हुआ। वह 1968 में हरियाणा विधान सभा के लिए चुने गए। उनके निधन से राज्य एक योग्य विधायक की सेवाओं से वंचित हो गया है। मैं अपनी व अपनी पार्टी के सदस्यों की तरफ से दिवंगत के शोक संतप्त परिवार के सदस्यों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता हूं। अध्यक्ष महोदय, इसी तरह से मध्यप्रदेश की भूतपूर्व राज्यपाल श्रीमति सरला ग्रेवाल के हुए दु:खद निधन पर मैं अपनी तरफ से व अपनी पार्टी के सदस्यों की तरफ से शोक प्रकट करता हूं।

उनका जन्म 4 अक्तूबर, 1927 को हुआ । उन्होंने 1952 में भारतीय प्रशासनिक सेवा में प्रवेश किया। वह पंजाब सरकार, भारत सरकार एवं कई अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं में विभिन्न महत्वपूर्ण पदों पर रही। वह 1989-90 के दौरान मध्यप्रदेश की राज्यपाल रहीं। वह अप्रैल, 2000 में ट्रिब्यून ट्रस्ट की प्रथम महिला अध्यक्ष बनीं। उनके निधन से देश एक योग्य प्रशासक की सेवाओं से वंचित हो गया है। मैं दिवंगत के शोक संतप्त परिवार के सदस्यों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता हूं।

अध्यक्ष महोदय, इसी तरह से श्री महाबीर प्रसाद जैन प्रख्यात वकील के 3 जनवरी, 2002 को हुए दु:खद निधन पर भी मैं अपनी तरफ से व अपनी पार्टी के सदस्यों की तरफ से शोक प्रकट करता हूं। उनका जन्म 1 जून, 1899 को हुआ। उन्होंने विधि में डिग्री प्राप्त कर 1922 में वकालत शुरु की । वे मेरे हिसार शहर से थे और बड़े नामी गिरामी वकील थे । 80 वर्ष के लम्बे समय तक सक्रिय वकालत करने के कारण उनका नाम लिम्का बुक ऑफ वर्ल्ड रिकार्ड में शामिल किया गया है। वह कई धार्मिक और सामाजिक संस्थाओं से जुड़े हुए थे। वह हमेशा युवा वकीलों के लिए प्रेरणा स्त्रोत बने रहेंगे।

उनके निधन से राज्य एक प्रख्यात वकील और सामाजिक कार्यकर्त्ता की सेवाओं से वंचित हो गया है। मैं अपनी व अपनी पार्टी के सदस्यों की तरफ से दिवंगत के शोक संतप्त परिवार के सदस्यों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता हूं। इसी तरह से 13 दिसंबर, 2001 को संसद पर हुए आतंकवादी हमले में अपने जीवन का बलिदान देने वाले वीर सुरक्षा कर्मियों के प्रति मैं अपना शोक प्रकट करता हूं। इन सुरक्षा कर्मियों ने आतंकवाद के विरुद्ध लड़ाई में अपने जीवन का बलिदान देकर अदम्य साहस और बहादुरी की सर्वोच्च मिसाल कायम की है। मैं अपनी व अपनी पार्टी की तरफ से आतंकवादी गतिविधियों की कड़ी निन्दा करता हूं और शोक संतप्त परिवारों के प्रति हार्दिक संवेदना प्रकट करता हूं।

अध्यक्ष महोदय, 22 जनवरी, 2002 को कोलकाता में अमेरिकन सैंटर पर आतंकवादी हमले में मारे गए पुलिस कर्मियों के प्रति मैं अपनी तरफ से व अपनी पार्टी के सदस्यों की तरफ से गहरा शोक प्रकट करता हूं।

मैं अपनी और अपनी पार्टी की तरफ से आतंकवादी गतिविधियों की कड़ी निन्दा करता हूं और शोक संतप्त परिवारों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता हूँ। इसी तरह से हाल ही में गुजरात में गोधरा के निकट साबरमती ऐक्सप्रेस तथा देश के अन्य स्थानों पर हुई साम्प्रदायिक हिंसा में मारे गए निर्दोष लोगों के प्रति अपना गहरा शोक प्रकट करता हूं। मैं अपनी और अपनी पार्टी की तरफ से साम्प्रदायिक हिंसा की घिनौनी हरकतों की कड़ी निंदा करता हूं और शोक संतप्त परिवारों के सदस्यों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता हूं। इसी तरह से स्वतंत्रता सेनानी लैफ्टिनैंट वीर सिंह, स्वतन्त्रता सेनानी श्री रण सिंह, श्री भंवर लाल बहमणी, श्री झाबर सिंह, चौधरी राम नाथ, श्री किशोरी लाल, श्री दरबारा सिंह माक्खा, श्री खिवण सिंह, चौधरी नेकीराम एवं चौधरी दीपाराम-ये सभी देशभक्त थे व इनके निधन पर भी मैं अपनी तरफ से व अपनी पार्टी की तरफ से शोक प्रकट करता हूं। अध्यक्ष महोदय, मैं अपनी तरफ से और अपनी पार्टी की तरफ से उन वीर सैनिकों को अपना अश्रुपूर्ण नमन करता हूं जिन्होंने अपनी मातृभूमि की एकता और अखण्डता की रक्षा के लिये अदम्य साहस और वीरता से लड़ते हुए अपने जीवन का बलिदान दिया।

इन महान् शहीदों के नाम इस प्रकार हैं :—

मेजर उशनिशा जेटली, यमुनानगर, सूबेदार राम चन्द, गाँव सौंतली, अम्बाला,हवलदार विक्रम सिंह, गाँव बलवाड़ी, रिवाड़ी , हवलदार दीप चन्द, गाँव बंचारी, फरीदाबाद , नायक शीश राम, गाँव संघू, गुड़गांव, नायक विजेन्द्र सिंह, गाँव बाढड़ा, भिवानी, नायक हुकम सिंह, गाँव पातूहेड़ा, रिवाड़ी, नायक सूर्य प्रकाश, गाँव बारवास, भिवानी, लास नायक सुखदेव सिंह, गाँव डेरा सलीमपुर, अम्बाला, राईफलमैन सुरेन्द्र कुमार, गाँव बारना, कुरूक्षेत्र, सिपाही देवेन्द्र सिंह, रतिया, फतेहाबाद, सिपाही नानक चन्द, गाँव राठधाना, सोनीपत, सिपाही दिलबाग सिंह, गाँव इगराह, जींद, सिपाही रामफल, गाँव अकबरपुर, फरीदाबाद, सिपाही विनोद कुमार, गाँव पाटवान, भिवानी, सिपाही सुनील कुमार, गाँव रिटौली, रोहतक, सिपाही शमशेर सिंह, गाँव भुलवाना, फरीदाबाद, सिपाही सतीश कुमार, गाँव पडाना, जींद, सिपाही संजीव कुमार, गाँव मकराना, भिवानी, सिपाही सुरेश कुमार, गाँव ढाकल, जींद, सिपाही अमर चन्द, गाँव मंदौला, भिवानी, सिपाही राजबीर, गाँव काकरौली हथी, भिवानी, सिपाही दीपक, गाँव लिसाना, रिवाड़ी, सिपाही श्याम लाल, गाँव गोकलगढ़,

—

[चौधरी भजन लाल]

रिवाड़ी, सिपाही प्रदीप चौहान, गाँव रतनथल, रिवाड़ी तथा सिपाही सूरजभान, गाँव बालावास, रिवाड़ी, मैं अपनी और अपनी पार्टी की ओर से इन महान् वीरों की शहादत पर इन्हें शत्-शत् नमन करता हूं और इनके शोक-संतप्त परिवारों के सदस्यों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता हूं।

अध्यक्ष महोदय, मैं अपनी और अपनी पार्टी की ओर से हरियाणा के मन्त्री, श्री अशोक अरोड़ा की माता, श्रीमती चानन देवी, हरियाणा विधान सभा के सदस्य वैद्य कपूर चन्द की पत्नी, श्रीमति दयावती, हरियाणा विधान सभा के सदस्य श्री जगजीत सिंह सांगवान के भाई, श्री अमरजीत, हरियाणा विधान सभा के सदस्य श्री सूरजमल के पिता, चौधरी फतेह सिंह तथा हरियाणा विधान सभा के सदस्य श्री बलवन्त सिंह नायना के चचेरे भाई, श्री जय किशन सिंह के दु:खद निधन पर गहरा शोक प्रकट करता हूं और मैं अपनी और अपनी पार्टी की तरफ से इन दिवंगतों के शोक संतप्त परिवारों के सदस्यों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता हूं।

श्री कृष्णपाल गुर्जर (मेवला महाराजपुर) अध्यक्ष महोदय, मैं अपनी और अपनी पार्टी की ओर से लोक सभा के अध्यक्ष श्री जी.एम. सी. बालयोगी के 3 मार्च, 2002 को आन्ध्र प्रदेश में हैलीकाप्टर दुर्घटना में हुए असामयिक एवं दु:खद निधन पर गहरा शोक प्रकट करता हूं।

उनका जन्म 1 अक्तूबर, 1951 को हुआ । उन्होंने स्नातकोत्तर तथा बी.एल. की डिग्रियां प्राप्त की। वह 1991 में लोकसभा के लिए चुने गए। वह 1996 में आन्ध्र प्रदेश विधान सभा के लिए चुने गए और 1996 से 1998 तक मन्त्री रहे। वह पुन: 1998 एवं 1999 में लोक सभा के लिए चुने गए और दोनों बार लोक सभा के अध्यक्ष बने।

उन्होंने अनेक देशों का भ्रमण किया। उन्होंने आस्ट्रेलिया, कनाडा, फ्रांस, जर्मनी, इटली, जापान, अमेरिका, इंग्लैंड, दक्षिणी अफ्रीका, सिंगापुर और स्विटरजरलैंण्ड में भारतीय संसदीय शिष्टमंडलों का नेतृत्व किया। उन्होंने अन्तर-संसदीय संघ में भारत का प्रतिनिधित्व किया और इसके अन्तर्राष्ट्रीय समूह के अध्यक्ष रहे। उन्होंने भारतीय संसदीय समूह तथा कॉमनवैल्थ संसदीय संगठन की भारतीय शाखा की अध्यक्षता की।

आन्ध्र प्रदेश सरकार में शिक्षा मंत्री के तौर पर उन्होंने शिक्षा पद्धति को सुदृढ़ करने के लिए कई महत्वपूर्ण कदम उठाए। उन्होंने हमेशा गरीबों और दलितों के उत्थान में गहरी रूचि ली।

उन्होंने लोक सभा की कार्यवाही के संचालन में उच्च मानदण्ड स्थापित किए। वह न केवल संसदीय नियमों को प्रभावशाली ढंग से लागू करते थे वरन कठिन परिस्थितियों में अपने विनोदप्रिय स्वभाव से संसद में गम्भीर वातावरण को सरस बनाने में भी माहिर थे।

उसके निधन से देश एक महान सांसद, प्रख्यात राजनीतिज्ञ और एक योग्य प्रशासक की सेवाओं से वंचित हो गया है। अध्यक्ष महोदय, मैं अपनी तरफ से और अपनी पार्टी की तरफ से दिवंगत के शोक संतप्त परिवार के सदस्यों के प्रति हार्दिक संवेदना प्रकट करता हूं।

अध्यक्ष महोदय, मैं अपनी और अपनी पार्टी की ओर से हरियाणा के भूतपूर्व मन्त्री श्री ओम प्रकाश महाजन के 25 नवम्बर, 2001 को हुए दु:खद निधन पर गहरा शोक प्रकट करता हूं।

उनका जन्म 15 जनवरी, 1932 को हुआ। वह 1982 और 1996 में हरियाणा विधान सभा के सदस्य चुने गए। वह 1985 से 1987 तक राज्य मंत्री और 1997 से 2000 के दौरान मंत्री रहे।

उनके निधन से राज्य एक अनुभवी विधायक एवं योग्य प्रशासक की सेवाओं से वंचित हो गया है। अध्यक्ष महोदय, मैं अपनी और अपनी पार्टी की ओर से दिवंगत के शोक संतप्त परिवार के सदस्यों के प्रति हार्दिक संवेदना प्रकट करता हूं।

अध्यक्ष महोदय, मैं अपनी और अपनी पार्टी की ओर से हरियाणा के भूतपूर्व मन्त्री श्री गजराज बहादुर नागर के 9 नवम्बर, 2001 को हुए दु:खद निधन पर भी मैं गहरा शोक प्रकट करता हूं।

उनका जन्म 1 अक्तूबर, 1929 को मेरे हल्के के गांव बुआपुर, फरीदाबाद में हुआ। वह विधि स्नातक थे। उन्होंने समाज के कमजोर वर्गों के उत्थान के लिये बहुत काम किया। वह 1977 में हरियाणा विधान सभा के सदस्य चुने गए तथा 1977 से 1982 तक मंत्री रहे। उन्होंने चीन, इंडोनेशिया और इजरायल में कई सम्मेलनों में भाग लिया।

उनके निधन से राज्य एक अनुभवी विधायक एवं योग्य प्रशासक की सेवाओं से वंचित हो गया है। अध्यक्ष महोदय, मैं अपनी तरफ से और अपनी पार्टी की तरफ से शोक संतप्त परिवार के सदस्यों के प्रति हार्दिक संवेदना प्रकट करता हूं।

अध्यक्ष महोदय, मैं अपनी और अपनी पार्टी तरफ से हरियाणा के भूतपूर्व राज्यमंत्री 13.00 बजे श्री हुकम सिंह के 1 दिसंबर, 2001 को हुए दु:खद निधन पर गहरा शोक प्रकट करता हूं।

उनका जन्म 12 जून, 1922 को हुआ। वह विधि स्नातक थे । वह 1957 से 1962 तक संयुक्त पंजाब विधान सभा के सदस्य रहे। वह 1991 में हरियाणा विधान सभा के सदस्य चुने गए तथा 1991 से 1996 तक राज्य मंत्री रहे।

उनके निधन से राज्य एक अनुभवी विधायक एवं योग्य प्रशासक की सेवाओं से वंचित हो गया है। मैं अपनी और अपनी पार्टी की तरफ से दिवंगत के शोक संतप्त परिवार के सदस्यों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता हूं।

अध्यक्ष महोदय, मैं अपनी और पार्टी की तरफ से हरियाणा विधान सभा के भूतपूर्व सदस्य राव सीस राम के 10 जनवरी, 2002 को हुए दु:खद निधन पर गहरा शोक प्रकट करता हूं।

उनका जन्म 9 जनवरी, 1910 को हुआ। वह 1968 में हरियाणा विधान सभा के सदस्य चुने गए।

उनके निधन से राज्य एक योग्य विधायक की सेवाओं से वंचित हो गया है। मैं अपनी और अपनी पार्टी की तरफ से दिवंगत के शोक संतप्त परिवार के सदस्यों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता हूं।

अध्यक्ष महोदय, मैं अपनी और अपनी पार्टी की तरफ से श्रीमती सरला ग्रेवाल भूतपूर्व राज्यपाल मध्यप्रदेश के 29 जनवरी, 2002 को हुए दु:खद निधन पर गहरा शोक प्रकट करता हूं।

[श्री कृष्णपाल गुर्जर]

उनका जन्म 4 अक्तूबर, 1927 को हुआ । उन्होंने 1952 में भारतीय प्रशासनिक सेवा में प्रवेश किया। वह पंजाब सरकार, भारत सरकार एवं कई अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं में विभिन्न महत्वपूर्ण पदों पर रहीं। वह 1989-90 के दौरान मध्यप्रदेश की राज्यपाल रहीं। वह अप्रैल, 2000 में ट्रिब्यून ट्रस्ट की प्रथम महिला अध्यक्ष बनीं।

उनके निधन से देश एक योग्य प्रशासक की सेवाओं से वंचित हो गया है। मैं अपनी और पार्टी की तरफ से दिवंगत के शोक संतप्त परिवार के सदस्यों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता हूं।

अध्यक्ष महोदय, मैं अपनी और अपनी पार्टी की तरफ से प्रख्यात वकील श्री महाबीर प्रसाद जैन के 3 जनवरी, 2002 को हुए दुःखद निधन पर गहरा शोक प्रकट करता हूं।

उनका जन्म 1 जून, 1899 को हुआ। उन्होंने विधि में डिग्री प्राप्त कर 1922 में वकालत शुरु की। 80 वर्ष के लम्बे समय तक सक्रिय वकालत करने के कारण उनका नाम लिम्का बुक ऑफ वर्ल्ड रिकार्ड में शामिल किया गया है। वह कई धार्मिक और सामाजिक संस्थाओं से जुड़े हुए थे। वह हमेशा युवा वकीलों के लिए प्रेरणा स्त्रोत बने रहेंगे।

उनके निधन से राज्य एक प्रख्यात वकील और सामाजिक कार्यकर्ता की सेवाओं से वंचित हो गया है। मैं अपनी और अपनी पार्टी की तरफ से दिवंगत के शोक संतप्त परिवार के सदस्यों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता हूं।

अध्यक्ष महोदय, मैं अपनी और अपनी पार्टी की तरफ से 13 दिसम्बर, 2001 को संसद पर हुए आतंकवादी हमले में अपने जीवन का बलिदान देने वाले वीर सुरक्षा कर्मियों के प्रति शोक प्रकट करता हूं।

इन सुरक्षा कर्मियों ने आतंकवाद के विरूद्ध लड़ाई में अपने जीवन का बलिदान देकर अदम्य साहस और बहादुरी की सर्वोच्च मिसाल कायम की है।

मैं अपनी और अपनी पार्टी की तरफ से आतंकवादी गतिविधियों की कड़ी निन्दा करता हूं और दिवंगत के शोक संतप्त परिवार के सदस्यों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता हूं।

अध्यक्ष महोदय, मैं अपनी और अपनी पार्टी की तरफ से 22 जनवरी, 2002 को कोलकाता में अमेरिकन सैंटर पर आतंकवादी हमले में मारे गए पुलिस कर्मियों के प्रति गहरा शोक प्रकट करता हूं।

मैं अपनी और अपनी पार्टी की तरफ से आतंकवादी गतिविधियों की कड़ी निन्दा करता हूं और शोक संतप्त परिवारों के सदस्यों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता हूं ।

अध्यक्ष महोदय, मैं अपनी और अपनी पार्टी की तरफ से हाल ही में गुजरात में गोधरा के निकट साबरमती एक्सप्रेस तथा देश के अन्य स्थानों पर हुई साम्प्रदायिक हिंसा में मारे गए निर्दोष लोगों के प्रति अपना गहरा शोक प्रकट करता हूं।

मैं अपनी और अपनी पार्टी की तरफ से साम्प्रदायिक हिंसा की घिनौनी हरकतों की कड़ी निन्दा करता हूं और शोक संतप्त परिवारों के सदस्यों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता हूं।

अध्यक्ष महोदय, मैं अपनी और अपनी पार्टी की तरफ से लैफ्टिनैंट वीर सिंह, स्वतन्त्रता सेनानी, श्री रण सिंह; स्वतन्त्रता सेनानी, श्री भंवर लाल बहमणी; स्वतन्त्रता सेनानी, श्री झाबर सिंह; स्वतन्त्रता सेनानी, चौधरी रामनाथ; स्वतन्त्रता सेनानी, श्री किशोरी लाल; स्वतन्त्रता सेनानी, श्री दरबारा सिंह माक्खा; स्वतन्त्रता सेनानी, श्री खिवन सिंह; स्वतन्त्रता सेनानी, चौधरी नेकी राम; स्वतन्त्रता सेनानी, और चौधरी दीपा राम, स्वतन्त्रता सेनानी के दुःखद निधन पर गहरा शोक प्रकट करता हूं। इनके निधन से देश सच्चे देशभक्तों की सेवाओं से वंचित हो गया है। मैं अपनी और अपनी पार्टी की तरफ से दिवंगतों के शोक संतप्त परिवरों के सदस्यों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता हूं।

अध्यक्ष महोदय, मैं अपनी और अपनी पार्टी की तरफ से उन वीर सैनिकों को अपना अश्रुपूर्ण नमन करता हूं जिन्होंने अपनी मातृभूमि कि एकता और अखण्डता की रक्षा के लिए अदम्य साहस और वीरता से लड़ते हुए अपने जीवन का बलिदान दिया। इन महान शहीदों के नाम इस प्रकार हैं: मेजर उशनिशा जेटली, यमुनानगर; सूबेदार माम चन्द, गांव सौंतली, अम्बाला; हवलदार विक्रम सिंह, गांव बलवाड़ी, रिवाड़ी; हवलदार दीपचन्द, गांव बंचारी, फरीदाबाद; नायक शीश राम, गांव संघू, गुड़गांव; नायक विजेन्द्र सिंह, गांव बाढड़ा, भिवानी; नायक हुकम सिंह, गांव धालुहेड़ा, रिवाड़ी, नायक सूर्य प्रकाश, गांव बारवास, भिवानी, लांस नायक सुखदेव सिंह, गांव डेरा सलीमपुर, अम्बाला; राईफलमैन सुरेन्द्र कुमार, गांव बारना, कुरुक्षेत्र; सिपाही देवेन्द्र सिंह, रतिया, फतेहाबाद; सिपाही नानक चन्द, गांव राठधना, सोनीपत; सिपाही दिलबाग सिंह, गांव इंगराह, जीन्द; सिपाही रामफल, गांव अकबरपुर, फरीदाबाद; सिपाही विनोद कुमार, गांव पाटवान, भिवानी; सिपाही सुनील कुमार, गांव रिटौली, रोहतक, सिपाही शमशेर सिंह, गांव भुलवाना, फरीदाबाद, सिपाही सतीश कुमार, गांव पडाना, जीन्द, सिपाही संजीव कुमार, गांव मकराना, भिवानी, सिपाही सुरेश कुमार, गांव ढाकल, जीन्द; सिपाही अमर चन्द, गांव मंदौला, भिवानी; सिपाही राजबीर, गांव काकरौली डाथी, भिवानी; सिपाही दीपक, गांव लिसाना, रिवाड़ी; सिपाही श्याम लाल, गांव गोकलगढ़, रिवाड़ी; सिपाही प्रदीप चौहान, गांव रतनथल, रिवाड़ी और सिपाही सूरजमान, गांव बालावास, रिवाड़ी। मैं अपनी और अपनी पार्टी की तरफ से इन महान वीरों की शहादत पर इन्हें शत-शत नमन करता हूं और इनके शोक संतप्त परिवारों के सदस्यों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता हूं।

अध्यक्ष महोदय, इनके अतिरिक्त हरियाणा के मंत्री श्री अशोक अरोड़ा की माता श्रीमती चानन देवी, हरियाणा विधान सभा के सदस्य वैद्य कपूर चन्द की पत्नी श्रीमती दयावती, हरियाणा विधान सभा के सदस्य श्री जगजीत सिंह सांगवान के भाई श्री अमरजीत, हरियाणा विधान सभा के सदस्य श्री सूरजमल के पिता चौधरी फतेह सिंह तथा हरियाणा विधान सभा के सदस्य श्री बलवन्त सिंह मायना के चचेरे भाई श्री जय सिंह के निधन पर मुझे गहरा शोक है। मैं अपनी और अपनी पार्टी की तरफ से दिवंगत के शोक संतप्त परिवारों के सदस्यों के प्रति हार्दिक संवेदना प्रकट करता हूं।

चौधरी बंसी लाल (भिवानी) : अध्यक्ष महोदय, लीडर ऑफ दी हाउस ने जो शोक प्रस्ताव रखा है मैं उसका समर्थन करता हूं। कल ही हमारे लोक सभा के स्पीकर श्री जी.एम.सी. बालयोगी का एक हैलीकाप्टर दुर्घटना में स्वर्गवास हो गया। उन्होंने इतनी छोटी उम्र में बहुत तरक्की की। वे इस समय लोक सभा को बहुत कुशलता से चला रहे थे। हर राजनीतिक पार्टी उनसे पूर्ण रूप से संतुष्ट थी। वे आंध्र प्रदेश विधान सभा के मैंबर रहे और मंत्री भी रहे तथा लोक सभा में आकर

[चौधरी बंसी लाल]

स्पीकर बने। लोकसभा स्पीकर होने के नाते वे बहुत से दुसरे देशों में गये लेकिन सबसे बड़े दुर्भाग्य की बात यह है कि छोटी सी उम्र में एक होनहार स्पीकर की हैलीकाप्टर दुर्घटना में मृत्यु हो गई और वे हमारे बीच से चले गये। वे अपने पीछे एक लड़का और तीन लड़कियां छोड़ गये लेकिन इससे देश के सभी लोग दुखी हैं कि श्री बालयोगी की इस ढंग से मृत्यु हो गई और वे इस संसार से चल बसे। अध्यक्ष महोदय, मैं अपनी और अपनी पार्टी की तरफ से दिवंगत के शोक संतप्त परिवार के सदस्यों के प्रति हार्दिक संवेदना प्रकट करता हूं।

अध्यक्ष महोदय, श्री ओम प्रकाश महाजन हरियाणा असैम्बली के दो बार मैंबर रहे और दो बार मंत्री भी रहे उनके निधन पर भी मैं अपनी और अपनी पार्टी की तरफ से दिवंगत के शोक संतप्त परिवार के सदस्यों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता हूं।

अध्यक्ष महोदय, श्री गजराज बहादुर नागर हमारी असैम्बली के दो बार मैंबर रहे और वे पांच साल तक मंत्री भी रहे उनके निधन पर भी मैं अपनी और अपनी पार्टी की तरफ से दिवंगत के शोक संतप्त परिवार के सदस्यों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता हूं।

अध्यक्ष महोदय, श्री हुकम सिंह, फौर्मर मिनिस्टर ऑफ स्टेट हरियाणा के निधन पर भी मैं अपनी और अपनी पार्टी की तरफ से गहरा शोक प्रकट करता हूं। वे हमारी असैम्बली के मैंबर रहे और ज्वाइंट पंजाब असैम्बली में भी वे मैंबर थे तथा हरियाणा में मंत्री भी रहे। मैं अपनी और अपनी पार्टी की तरफ से दिवंगत के शोक संतप्त परिवारों के सदस्यों के प्रति हार्दिक संवेदना प्रकट करता हूं।

अध्यक्ष महोदय, राव सीस राम, हरियाणा विधान सभा के भूतपूर्व सदस्य के निधन पर भी मैं अपनी और अपनी पार्टी की तरफ से गहरा शोक प्रकट करता हूं। वे 1968 से 1972 तक असैम्बली के मैंबर रहे। मैं अपनी और अपनी पार्टी की तरफ से दिवंगत के शोक संतप्त परिवार के सदस्यों के प्रति हार्दिक संवेदना प्रकट करता हूं।

अध्यक्ष महोदय, श्रीमती सरला ग्रेवाल, भूतपूर्व राज्यपाल मध्य प्रदेश के निधन पर भी मैं अपनी और अपनी पार्टी की तरफ से गहरा शोक प्रकट करता हूं। वे आई०ए०एस० अधिकारी रहीं। उन्होंने अपने जीवन में बड़ी तरक्की की । वे भारत सरकार में सैक्रेटरी के पद पर रहीं और प्रधान मंत्री जी की प्रिंसीपल सैक्रेटरी भी रहीं। इसके अतिरिक्त वे मध्य प्रदेश की राज्यपाल भी रहीं और जिस समय उनका स्वर्गवास हुआ वे ट्रिब्यून ट्रस्ट के अध्यक्ष पद पर कार्यरत थी। वे ट्रिब्यून ट्रस्ट की पहली महिला अध्यक्ष बनी थीं। वह बहुत ही पुसिंग और हार्ड वर्किंग लेडी थी। मैं अपनी और अपनी पार्टी की तरफ से दिवंगत के शोक संतप्त परिवार के सदस्यों के प्रति हार्दिक संवेदना प्रकट करता हूं।

अध्यक्ष महोदय, श्री महाबीर प्रसाद जैन एक बड़े प्रख्यात वकील थे और शायद ही हिन्दुस्तान में गिनती के वे आदमी होंगे जिन्होंने 80 साल की उम्र तक वकालत की। बाबू महाबीर प्रसाद जी 3 शताब्दियां देख कर गए। उन्होंने अपनी उम्र में 19वीं, 20वीं, तथा 21वीं शताब्दियां देखीं। वे बहुत अच्छे वकील थे। मेरा उनसे बड़ा व्यक्तिगत सम्बन्ध रहा है और मेरे उनके साथ बहुत अच्छे सम्बन्ध रहे हैं। मैंने एक जूनियर वकील होने के नाते उनसे गाईडैंस भी ली और

उनके पास जाने वाले हर आदमी की वे सहायता करते थे। वे अब से 3 साल पहले तक अदालत में उपस्थित होते थे। उनके निधन होने पर मैं अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता हूं।

अध्यक्ष महोदय, 13 दिसम्बर, 2001 को जो पार्लियामैंट पर अटैक हुआ वह बहुत ही दर्दनाक और एक खतरनाक घटना थी। आतंकवादी कोई भला काम करते नहीं, आतंकवादी तो बुरा ही करते हैं। यह तो अच्छा हुआ कि कृष्णकांत जी जो हमारे उपराष्ट्रपति हैं उनका कारकेड लगा हुआ था। अगर हमारे उप राष्ट्रपति जी का कारकेड नहीं लगा होता तो पता नहीं क्या हो जाता। उपराष्ट्रपति के कारकेड ने आंतकवादियों से पहले ही टक्कर ले ली। जो हमारे वहां पर सुरक्षा कर्मचारी थे उन्होंने गेट में दाखिल होते ही सिगनल दे दिया कि गलत गाड़ी आ गई है। आगे एक जवान यादव ने उन्हें रोकने की कोशिश की और उसको आतंकवादियों ने गोली मार दी। एक औरत जो वहां पर एक महिला पुलिस कान्स्टेबल थी उसने भी उनको रोकने की कोशिश की तो उसको भी आतंकवादियों ने गोली मार दी। इतनी देर में दूसरे निशानेबाज लग गए और 30 मिनट में पांचों के पांचों आदमियों को खत्म कर दिया। पार्लियामैंट की बिल्डिंग के अन्दर यानि पार्लियामैंट के भीतर कोई आतंकवादी घुस नहीं पाया। हमारे जो सुरक्षा कर्मी हैं उनकी तो मैं इस काम के लिए ताईद करता हूं और उनकी बहादुरी की दाद देता हूं। आतंकवादियों ने जो किया उसको मैं कण्डैम करता हूं। अब जो सुरक्षा प्रबन्ध पार्लियामैंट में किया गया है वह अच्छा खासा प्रबन्ध किया गया है क्योंकि अपने ऐसे पड़ौसी देश से वास्ता पड़ जाए जो इस तरह की हरकतों से अपनी चौधर जमाना चाहता हो तो उसके लिए इसका इलाज भी यही है और कोई इलाज भी नहीं था। जो वहां लोग मारे गए उनके परिवारों के प्रति मैं अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता हूं।

अमेरिकन सैन्टर पर कोलकाता में जो अटैक हुआ इसके बारे में अमेरिका वालों ने यह कहा कि यह हिन्दुस्तान की पुलिस पर हमला है। मुझे बड़े अफसोस के साथ कहना पड़ता है कि यदि आतंकवादी हिन्दुस्तान की पुलिस पर हमला करते तो वे किसी पुलिस थाने पर हमला कर सकते थे, उनकी बैरेक्स पर हमला कर सकते थे या पुलिस की किसी यूनिट पर हमला कर सकते थे। यदि उन्होंने हिन्दुस्तान की पुलिस पर ही हमला करना होता तो फिर वे अमेरिकन सैन्टर पर हमला क्यों करते। अब जब इस घटना के सम्बन्ध में मुलजिम गिरफ्तार हो गए तो एक एक बात खुलने लगी है। मुझे आज भी अफसोस है कि अमेरिका खुल कर यह नहीं कहता कि हमारे ऊपर हमला है। वहां पर जो हमारे जवान मारे गए उनके परिवारों के प्रति मैं हार्दिक संवेदना प्रकट करता हूं।

अध्यक्ष महोदय, हमारे फ्रीडम फाईटर लैफ्टिनैंट वीर सिंह, श्री रण सिंह, श्री मंवर लाल बहमणी, श्री झाबर सिंह, चौधरी रामनाथ, श्री किशोरी लाल, श्री दरबारा सिंह मावखा, श्री खिवन सिंह, चौधरी नेकी राम और चौधरी दीना राम जी जो हमारे फ्रीडम फाईटर थे वे इस संसार से चले गए हैं। उनके परिवारों के प्रति भी मैं अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता हूं। इन फ्रीडम फाईटरों की यह लास्ट पीढ़ी जा रही है। अब ये थोड़े ही बचे हुए होंगे। मैं फ्रीडम फाईटरों के परिवारों के प्रति भी हार्दिक संवेदना प्रकट करता हूं।

अध्यक्ष महोदय, हमारे जो मार्टियस मोर्चों पर शहीद हो गए हैं उनमें मेजर उशनिशा जेटली, सुबेदार माम चन्द, हवलदार विक्रम सिंह, हवलदार दीपचन्द, नायक शीश राम, नायक बिजेन्द्र सिंह, नायक हुकम सिंह, नायक सूर्य प्रकाश, लांस नायक सुखदेव सिंह, राईफलमैन

[चौधरी बंसी लाल]

सुरेन्द्र कुमार, सिपाही देवेन्द्र सिंह, सिपाही नानक चन्द, सिपाही दिलबाग सिंह, सिपाही रामफल, सिपाही विनोद कुमार, सिपाही सुनील कुमार, सिपाही शमशेर सिंह, सिपाही सतीश कुमार, सिपाही संजीव कुमार, सिपाही सुरेश कुमार, सिपाही अमर चन्द, सिपाही राजबीर, सिपाही दीपक, सिपाही श्याम लाल, सिपाही प्रदीप चौहान तथा सिपाही सूरजभान शहीद हुए हैं, मैं इन सब शहीदों के परिवारों के प्रति भी हार्दिक संवेदना प्रकट करता हूं।

अध्यक्ष महोदय, इसके साथ ही मैं मुख्य मंत्री जी से आपके जरिये एक प्रार्थना करना चाहता हूं कि यह जो लोग कश्मीर में या नेफा में या कहीं और शहीद हो गये हैं इनको भी कारगिल की लड़ाई के हीरोज की तरह ट्रीट किया जाए क्योंकि मरने में तो कोई फर्क नहीं है जान जाने वाले के लिए तो दोनों तरीके से ही जान गई है और गोली से जवान मरते हैं। इस बारे में मुख्य मन्त्री जी सीरियसली सोच लें।

मुख्य मंत्री (चौधरी ओम प्रकाश चौटाला) : चौधरी बंसी लाल जी, आप तो खुद डिफैंस मिनिस्टर रहे हैं और आपको पता ही है कि हम उन्हीं नामों को शामिल करते है जो डिफैंस मिनिस्ट्री से हमें प्राप्त होते हैं।

चौधरी बंसी लाल : मैंने आपकी बात मानी मगर आप डिफैंस मिनिस्ट्री से भी बात कर सकते हैं। ज्यादा जवान कहां के मरते हैं, या तो हरियाणा के, या हिमाचल प्रदेश के, या पंजाब के या राजस्थान के ज्यादा जवान मरते हैं बाकी तो कहीं इत्तेफॉक से ही कोई जवान मरता है। मुख्य मंत्री जी, आप उनसे बात करें और फिर भी अगर वे हां न करें तो आप इसको औरों से कुछ ज्यादा करें। अध्यक्ष महोदय, श्री अशोक कुमार जी की माता श्रीमती चानन देवी जी, वैद्य कपूर चन्द जी की धर्मपत्नी श्रीमती दयावती, श्री सांगवान साहब के भाई श्री अमरजीत सिंह, चौधरी सूरज मल के पिता चौधरी फ़तेह सिंह, श्री जय सिंह कज़न ऑफ श्री बलवन्त सिंह मायना, इन सब के परिवारों के प्रति मैं संवेदना प्रकट करता हूं और इन शब्दों के साथ मैं इस शोक प्रस्ताव का समर्थन करता हूं।

श्री उपाध्यक्ष : अध्यक्ष जी, कल रविवार की शोर में जो एक दुर्घटना हुई वास्तव में तो ध्रुव ने सूर्य को घेरा हुआ था परन्तु मौसम जो था जहां वह सूर्य को घेरे हुए था वहीं भारतीय राजनीति में उगते हुए सूर्य को आकस्मिक निधन के रूप में ले गया था। बालयोगी जी की थोड़ी सी आयु में जो भारतीय लोकतन्त्र को देन है। वे स्तम्भ के रूप में लोकतान्त्रिक मर्यादाओं के सबसे बड़े कस्टोडियन थे। श्री बालयोगी जी से मेरा काफी निकट का सम्बन्ध रहा है। अध्यक्ष महोदय, पिछले दिनों जब बालयोगी जी कॉमन वैल्थ कॉन्फ्रैंस के सिलसिले में चण्डीगढ़ आये थे और वे हमारे इसी प्रांगण में भी आये थे। उनकी सबसे बड़ी जो बात थी वह यह थी कि वे गांव से, एक छोटे से कस्बे से निकल कर तथा गांव की पंचायत से निकल कर देश की पार्लियामैंट तक पहुंचे। वे जहां भी रहे वहीं उन्होंने अपनी कार्यशैली और व्यक्तित्व की छाप छोड़ी। अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर जितने भी पी०ओज० (Presiding Officers) के सम्मेलन हुए उन सबमें उन्होंने, इस दौरान भारत का प्रतिनिधित्व किया। इस दौरान न केवल विदेश में अपितु देश में जहां भी कोई इस तरह का सम्मेलन हुआ उसमें वे न केवल उस सम्मेलन की अध्यक्षता करते थे अपितु समर्पण भाव भी रखते थे। मुझे याद है जब हम हैदराबाद में थे तो वे स्वयं रात के ग्यारह बजे तक हर डैलीगेट के पास आते थे और स्वयं निजी लैवल पर देखते थे। हालांकि डैलीगेट्स का ध्यान रखना उनका उत्तरदायित्व नहीं

था बल्कि वहां के स्पीकर और वहां की विधान सभा का यह दायित्व था। अध्यक्ष महोदय, मैं उनकी इस बात को नहीं भूला हूं कि किस तरह से रात के ग्यारह बजे तक वे हर पार्टिसिपैंट से स्वयं पूछ रहे थे कि आपको किसी प्रकार की कोई दिक्कत तो नहीं है। जहां तक हरियाणा का सम्बन्ध है, वे हरियाणा का भी पूरा सम्मान करते थे। हरियाणा की जो सबसे बड़ी चीज है वह पगड़ी की बात है। मैं आज भी इस बात को नहीं भूला हूं और माननीय मुख्य मंत्री जी को भी यह बात अच्छी तरह से याद होगी कि एक बार गुड़गांव में हम बालयोगी जी को मुख्य अतिथि के रूप में लाये थे। हालांकि उनके पास समय का अभाव था लेकिन फिर भी वे वहां पर दो घण्टे तक बैठे रहे। मुझे आज भी यह बात याद आ रही है कि वह पगड़ी जो उन्हें माननीय मुख्य मंत्री जी ने दी थी, वह हरियाणवी पगड़ी वे न केवल पूरे फंक्शन में पहने रहे बल्कि जब वे हवाई अड्डे पर जाने के लिए गाड़ी में बैठने लगे तो गुड़गांव से सीधे हवाई अड्डे पर गए, उस समय भी वे पगड़ी पहने रहे। अध्यक्ष महोदय, बालयोगी जी के आकस्मिक निधन पर पूरे देश को तथा हरियाणा प्रदेश को बड़ा भारी आघात लगा है। जहां तक पार्लियामैंट्री सिस्टम की बात है, उनकी बात और उनके व्यवहार को कोई भी आदमी जो पार्लियामैंटेरियन होगा झुठला नहीं सकता। गिरधर गोमांगो के मामले में जहां देश की सरकार एक वोट से गई वहां उन्होंने व्यवहारिकता से काम लिया, बिना किसी दबाव के काम लिया जो उनकी सूझबूझ का परिचायक है। अध्यक्ष महोदय, मैं इस अवसर पर हरियाणा विधान सभा की तरफ से, अपने समस्त हरियाणा की तरफ से उनके इस आकस्मिक निधन पर शोक प्रकट करता हूं। मैं भगवान से प्रार्थना करता हूं कि वे उनको अपने चरणों में स्थान दें। अध्यक्ष महोदय, उनका जो 50 साल की आयु में निधन हुआ है वास्तव में हमारे उगते हुए सूर्य का अंत हुआ है। आज दिल्ली में जो रीत थी, मैंने हरियाणा विधान सभा की तरफ से उनके पावन शरीर पर वह रीत चढ़वाई है। उनके प्रति मैं अपनी तरफ से हार्दिक संवेदना प्रकट करता हूं।

अध्यक्ष महोदय, ओम प्रकाश महाजन जी का जहां तक तालुक है, वह बहुत ही सुलझे हुए समाज सेवी और धार्मिक प्रवृति के आदमी थे। मुझे उनसे मिलने का दो बार मौका मिला और उनकी क्या तरीफ की जाए, मैंने उनको एक बार मन्दिर में देखा था वे मंत्री होते हुए भी भिवानी के एक मन्दिर में अपने हाथों से लोगों की झूटी पत्तलें उठा रहे थे। इस तरह से वे लोगों की सेवा करते थे। वास्तव में वे एक महान् व्यक्तित्व के आदमी थे। लोगों की झूटी पत्तलें उठाते हुए उनके मन में मात्रभर भी यह बात नहीं आई की वे किसी ओहदे से सम्बन्ध रखते हैं। उनके प्रति भी मैं अपनी तरफ से हार्दिक संवेदना प्रकट करता हूं।

अध्यक्ष महोदय, माननीय गजराज बहादुर नागर जी हरियाणा के भूतपूर्व मंत्री थे। वे हमारे क्षेत्र फरीदाबाद से प्रतिनिधित्व करते थे। जहां तक नागर जी की बात है वे सभी को अपने परिवार के सदस्यों की तरह समझते थे। भगवान ने उनको भी हमारे बीच से उठा लिया है। अध्यक्ष महोदय, इस अवसर पर मुझे बहुत पुरानी बात याद आ रही है। यह बात तब की है जब वे शायद खाद्य एवं आपूर्ति मंत्री थे। वे उस वक्त के विधायक माननीय प्रताप सिंह जी के लड़के की शादी में जा रहे थे। बावल से गुड़गांव आते हुए उनकी गाड़ी का एक्सीडैंट हो गया। उस एक्सीडैंट में उनके गनमैन और ड्राईवर की मृत्यु हो गई और वे बाल-बाल बच गए। उस वक्त उन्होंने उन कर्मचारियों की मृत्यु को अपना पर्सनल लोस माना था वे उनको अपने परिवार के सदस्य ही मानते थे। वे एक नेक इन्सान थे। वे गांव से उठकर इतने बड़े ओहदे पर पहुंचे थे। उनके निधन पर भी मैं अपनी तरफ से हार्दिक संवेदना प्रकट करता हूं।

[श्री उपाध्यक्ष]

अध्यक्ष महोदय, श्री हुक्म सिंह जी हरियाणा के भूतपूर्व राज्य मंत्री थे। वे भी एक ग्रामीण आंचल से उठकर आए थे। 1 दिसम्बर, 2001 को उनका दु:खद निधन हुआ। वे अपने क्षेत्र के बहुत ही अच्छे समाज सेवी, समाज सुधारक, अच्छे किसान और अच्छे राजनीतिज्ञ थे। उनके प्रति भी मैं अपनी तरफ से हार्दिक संवेदना प्रकट करता हूं।

अध्यक्ष महोदय, राव सीस राम जी हरियाणा विधान सभा के भूतपूर्व सदस्य थे। वे एक किसान थे। वे गांव और चौपाल के रहने वाले थे, वे वहां से उठकर हरियाणा विधान सभा तक पहुंचे थे। हमारा जो स्वप्न था कि राजनीतिक चेतना गांव-गांव, ढाणी ढाणी तक पहुंचे। राव सीस राम जी उसके लिए सही मायने में हकदार हैं। जो छोटे से गांव से यहां तक पहुंचे थे। वे एक कुशल किसान के साथ-साथ एक अच्छे राजनेता भी थे। उनके प्रति भी मैं अपनी तरफ से हार्दिक संवेदना प्रकट करता हूं।

अध्यक्ष महोदय, श्रीमती सरला ग्रेवाल, भूतपूर्व राज्यपाल थीं। उन्होंने एक कुशल प्रशासक के साथ साथ एक अच्छी गवर्नर के रूप में भी अपना स्थान बनाया था। पिछले दिनों माननीय बी०के० नेहरू के निधन के बाद श्रीमती सरला ग्रेवाल के निधन से दो बड़े एडमिनिस्ट्रेटिव अफसर इस दुनिया से चले गए हैं। उनके जाने से जहां आम समाज को नुकसान हुआ है उसके साथ साथ वहीं पर सबसे बड़ा नुक्सान प्रैस जगत को भी हुआ है। वे दोनों अपने समय में ट्रिब्यून ट्रस्ट के साथ जुड़े हुए थे। उनके प्रति भी मैं अपनी तरफ से हार्दिक संवेदना प्रकट करता हूं।

अध्यक्ष महोदय, माननीय महाबीर प्रसाद जैन जी ने एडवोकेट के रूप में इतनी लम्बी इनिंग खेली है कि वह सब वकीलों के लिए एक प्रेरणा का स्रोत है। वे 80 साल के लम्बे समय तक वकालत से जुड़े रहे। उनके प्रति भी मैं अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करना चाहूंगा।

अध्यक्ष महोदय, पिछले कितने वर्षों से हमारा देश आतंकवाद की भट्ठी में जल रहा है। इस बात को हमने आस्ट्रेलिया में कॉमन वैल्थ की मीटिंग में भी बड़े जोर-शोर से उठाया था। जिस तरह से हमारे कश्मीर की असैम्बली के ऊपर आतंकवादियों का हमला हुआ था उस बारे में हमने वहां पर पाकिस्तान की बड़े कड़े शब्दों में निन्दा की थी और विशेषकर यह मांग की कि पाकिस्तान को सी०पी०ए० से बाहर निकाला जाए, उसकी मैम्बरशिप खत्म की जाए क्योंकि यह कोई लोकतांत्रिक देश नहीं है। अध्यक्ष महोदय, इसी वजह से पाकिस्तान की आज सी०पी०ए० से मैम्बरशिप खत्म की गयी। जम्मू कश्मीर के बाद आतंकवाद की तब अति हो गयी जब आतंकवादियों ने हमारे सबसे बड़े लोकतांत्रिक ढांचे यानी पार्लियामैंट पर आक्रमण करने का प्रयास किया। पार्लियामैंट तक भी उनके कदम बढ़े। अध्यक्ष महोदय, इसके बाद तो मेरे ख्याल में एक ही सबसे बड़ा संस्थान रह जाता है और वह है राष्ट्रपति भवन वरना तो आतंकवादियों के जो गंदे इरादे थे वह हमारी पार्लियामैंट तक पहुंच गये। अध्यक्ष महोदय, इस अवसर पर हमें अपने उन शूरवीरों पर नाज है जिन्होंने मां भारती की रक्षा के लिए अपने प्राणों की बलि चढ़ाकर आतंकवादियों के बुरे इरादों को न केवल धूल में मिलाया बल्कि उनके आकाओं को भी एक सबक सिखाने का काम किया और उनको यह बता दिया कि भारत के जवान जिस किसी भी मोर्चे पर लगे हुए हैं वहां पर उनके लिए राष्ट्र की सुरक्षा सबसे बड़ी है। हमारे जवानों ने उनको यह भी बता दिया कि हमारी जो लोकतांत्रिक परम्पराएं हैं उसको कोई भी आंच नहीं पहुंचा सकता। इन शूरवीरों को आज सारा राष्ट्र नमन करता है। अध्यक्ष महोदय, मैं भी अपनी तरफ से और सारे हाउस की तरफ से इन शूरवीरों के चरणों में अपनी

श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं। इसी तरह से कोलकाता के अमेरिकन सैंटर पर जो आतंकवादी घटना हुई वह शायद विश्व की जो आतंकवाद की चार या पांच घटनाएं हुई हैं उनमें से एक है। हमें अपने उन जवानों पर नाज है जिन्होंने अपने प्राणों की आहुति देकर इस अमेरिकन सैंटर की रक्षा की। जिन जवानों के कंधों पर इस सैंटर की सुरक्षा की जिम्मेदारी थी उन्होंने अपना सर्वस्व न्यौछावर करके इस सैंटर को नुक्सान होने से बचाया।

अध्यक्ष महोदय, इसके अलावा मैं अपने उन पुलिस अफसरों और दूसरी एजेंसियों को भी इस बारे में बधाई देना चाहूंगा कि उन्होंने इस ब्लाइंड मामले की सारी खोजबीन करके दोषियों को सलाखों के पीछे पहुंचाने का काम किया है। माननीय अध्यक्ष जी, गुजरात के गोधरा में साबरमती एक्सप्रैस ट्रेन के अन्दर जो जघन्य हत्याकांड हुआ, जो जघन्य अग्नि कांड हुआ और उसके बाद अब जो गुजरात साम्प्रदायिकता की भट्ठी में जल रहा है और जिनकी वहां पर आहुति हुई है, उनके लिए भी मैं अपनी तरफ से और सारे हाउस की तरफ से श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं और उनको नमन करता हूं। साथ ही साथ इस घटना को हम कंडैम भी करते हैं। हम आशा करते हैं कि भविष्य में इस तरह की घटना का रिपीटिशन नहीं होगा। अध्यक्ष जी, हमारे देश में आज जो हमें लोकतंत्र मिला है या आज जो हम वोट देकर देश का राज चला रहे हैं वह सब हमारे फ्रीडम फाइटर्ज की ही देन है। अध्यक्ष जी, लैफ्टिनैंट वीर सिंह जी, श्री रण सिंह जी, श्री भंवर लाल बहमणी जी, श्री झाबर सिंह जी, चौधरी राम नाथ जी, श्री किशोरी लाल जी, श्री दरबारा सिंह भाक्खा जी, श्री खिवन सिंह जी, चौधरी नेकी राम जी और चौधरी दीपा राम जी जैसे स्वतंत्रता सेनानियों की वजह से या शहीदों की वजह से ही हमारे देश को आजादी मिली और आज हमें यह लोकतंत्र नसीब हुआ। उन्होंने उस वक्त अपना सब कुछ बलिदान करके देश को आजाद करवाया था और इसी कारण आज हम खुले वातावरण में सांस ले रहे हैं। माननीय अध्यक्ष जी, इस आजादी को महफूज रखने के लिए हरियाणा के रण बांकुरे माँ भारती की रक्षा के लिए चाहे वे किसी भी बोर्डर पर हों, अपना सर्वस्व न्यौछावर करके देश की रक्षा कर रहे हैं। इन वीरों का हमारा राष्ट्र सदैव ऋणी रहेगा। हम इनको भी अश्रुपूर्ण नमन करते हुए उनके चरणों में अपने श्रद्धासुमन अर्पित करते हैं। हमें इन वीरों पर नाज है। चाहे कारगिल हुआ हो या चाहे कोई और युद्ध हो, इन सबमें सबसे बड़ा योगदान हमारे शहीदों का ही है। अध्यक्ष जी, मुझे '50-डेज ऑफ वार' देखने का अवसर प्राप्त हुआ है। इसमें कारगिल घटना का चित्रण किया गया है और इन वीरों के अदम्य साहस को बताया गया है। इसको देखकर आदमी अंदाजा लगा सकता है कि किस तरह से इन्होंने इतनी ऊंची-ऊंची चोटियों पर रहकर अपने जीवन की परवाह न करते हुए देश की रक्षा के लिए शहादत दी। इन सभी को मैं हरियाणा विधान सभा की तरफ से नमन करता हूं तथा उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं। इसी तरह से हमारे विधान सभा के जो साथी सहयोगियों के परिवारों में से क्षति हुई है, ऐसी स्थिति में ढाढस बांधने के लिए समस्त हाउस उनके साथ है। श्री अशोक कुमार अरोड़ा की माता श्रीमती चानन देवी, हरियाणा विधान सभा के सदस्य वैद्य कपूर चन्द की पत्नी श्रीमती दयावती, हरियाणा विधान सभा के सदस्य श्री जगजीत सिंह सांगवान के भाई श्री अमरजीत, हरियाणा विधान सभा के सदस्य श्री सूरजमल के पिता चौधरी फतेह सिंह तथा हरियाणा विधान सभा के सदस्य श्री बलवंत सिंह मायना के चचेरे भाई श्री जय सिंह के दुःखद निधन पर मैं गहरा शोक प्रकट करता हूं।

कार्य सूची में फेरबदल

मुख्यमंत्री (श्री ओम प्रकाश चौटाला) : अध्यक्ष महोदय, इससे पहले कि आप पूरे सदन के द्वारा जो शोक प्रस्ताव रखे गए हैं उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करके मौन धारण करवाएं उससे पूर्व मैं यह निवेदन करना चाहता हूं कि कल जिस प्रकार से हमारे लोकसभा के अध्यक्ष जी का दु:खद निधन हुआ वे केवल मात्र लोकसभा के अध्यक्ष ही नहीं थे बल्कि एक नेक इंसान भी थे और उन्होंने लोकसभा के ही नहीं वरन् पूरे राष्ट्र के अध्यक्ष के पद की गरिमा को बरकरार रखने के लिए कुछ मान्यताएं बरकार करने की कोशिश की थी। उसके लिए उन्होंने पूरे देश के सभी प्रेजाइडिंग ऑफिसर्ज और विभिन्न राजनीतिक दलों के अध्यक्षों की और सभी मुख्यमंत्रियों व प्रधानमंत्री समेत सभी मान्यता प्राप्त लोगों की मीटिंग बुलाकर के कुछ ऐसे निर्णय लेने की सलाह दी थी जिससे हमारी जनतांत्रिक मर्यादा बरकरार रह सके। इस प्रकार के एक अध्यक्ष जो अध्यक्ष के पद पर रहते हुए चले गए यह भी एक पहली घटना है कि स्पीकर के पद पर रहते हुए कोई संसार से गया हो, इसका पूरे राष्ट्र को दु:ख है इसलिए मैं आपके द्वारा पूरे सदन से विनम्र निवेदन करूंगा कि उनके श्रद्धांजलि समारोह के बाद मौन धारण करने के पश्चात आज के जो दूसरे बिजनेस हैं उन सबको स्थगित करके इस सदन को ऐडजर्न किया जाए।

शोक प्रस्ताव (पुनरारम्भ)

श्री अध्यक्ष : माननीय सदस्यगण, सदन के नेता श्री ओम प्रकाश चौटाला जी ने जो शोक प्रस्ताव हाउस में रखा है और दिवंगत आत्माओं के प्रति विभिन्न पार्टियों के नेताओं ने जो विचार प्रकट किए हैं मैं भी अपने आप को उनकी भावनाओं के साथ जोड़ता हूं। पिछले सैशन और इस सैशन के बीच में हमारे बीच में से बहुत सी महान विभूतियां चली गई हैं। सबसे पहले मैं लोकसभा के स्पीकर जी०एम०सी० बालयोगी के आन्ध्र प्रदेश में हैलीकाप्टर दुर्घटना में हुए असामयिक एवं दु:खद निधन पर गहरा शोक प्रकट करता हूं। वे पहले लोकसभा स्पीकर हैं जिनका लोकसभा के अध्यक्ष के पद पर रहते हुए निधन हुआ । वे पहले दलित वर्ग से संबंधित स्पीकर थे। वे दुनिया के सबसे बड़े प्रजातांत्रिक देश भारतवर्ष के स्पीकर के नाते बहुत सादे, बहुत सरल स्वभाव के धनी थे। हमें दो बार उनके साथ कॉमन वैल्थ पार्लियामैन्ट्री एसोसिएशन की मीटिंग में उनके नेतृत्व में विदेश जाने का मौका मिला। उसमें जितने भी डैलीगेट्स हिंदुस्तान की तरफ से जाते थे वे उनका बड़ा आदर करते थे, सम्मान करते थे और जहां जगह मिलती थी वहीं बैठ जाते थे। उनमें ऐसी कोई भावना प्रकट होते नहीं देखी कि वे अपने आपको दूसरों से सुपीरियर समझते हों। वे बड़े फ्राखदिल इन्सान थे। वे आज हमारे बीच में नहीं रहे। उनकी सेवाओं से जो उन्होंने पार्लियामैन्ट्री सिस्टम में रिफॉर्मस लाने की कोशिश की थी उसे बड़ा धक्का लगा है । पूरा देश , सारा विपक्ष, सत्तापक्ष, हर व्यक्ति उनकी बहुत इज्जत करता है और पूरे सम्मान के साथ सरकार उनका अंतिम संस्कार करने जा रही है। वे एक बहुत ही उच्चकोटि के पार्लियामैंटेरियन थे। उनके निधन से देश ने एक अच्छे प्रशासक एक पार्लियामैंटेरियन और एक बड़े सोशल रिफॉर्मर को खो दिया है।

श्री ओम प्रकाश महाजन, हरियाणा के भूतपूर्व मंत्री के हुए दु:खद निधन पर मुझे गहरा शोक है। वे दो बार विधान सभा के सदस्य चुने गये और दोनों बार ही मंत्री रहे। उनके निधन से

प्रदेश ने एक अच्छे विधायक को खो दिया है। श्री गजराज बहादुर नागर, हरियाणा के भूतपूर्व मंत्री के दु:खद निधन पर मुझे गहरा शोक है । वे एक अच्छे समाज सेवी थे और 1977 के चुनाव में हरियाणा विधान सभा के सदस्य चुने गये और उस दौरान मंत्री भी रहे। श्री हुकम सिंह 1991 से 1996 तक हरियाणा के राज्य मंत्री रहे। उनके निधन से मुझे गहरा शोक है। वे ज्वांइट पंजाब विधान सभा में भी सदस्य रहे। वे एक अनुभवी विधायक और योग्य प्रशासक थे। हरियाणा विधान सभा के भूतपूर्व सदस्य राव सीस राम के हुए दु:खद निधन पर मुझे गहरा शोक है। वे 1968 में हरियाणा विधान सभा के सदस्य चुने गये थे। वे एक योग्य विधायक थे।

इन सभी हरियाणा विधान सभा के भूतपूर्व सदस्यों और मंत्रियों के निधन से प्रदेश ने योग्य विधायक और अच्छे समाज सेवी खो दिए हैं।

श्रीमति सरला ग्रेवाल भूतपूर्व राज्यपाल मध्यप्रदेश के हुए दु:खद निधन पर मुझे गहरा शोक है। उन्होंने 1952 में आई०ए०एस० में प्रवेश किया था। वे एक डिस्टींगिविस्ड आई०ए०एस० आफिसर थीं और वह न केवल पंजाब सरकार तथा भारत सरकार बल्कि अंतर्राष्ट्रीय संस्थाओं में भी विभिन्न उच्च तथा महत्वपूर्ण पदों पर पदासीन रही। उन्होंने मध्यप्रदेश के राज्यपाल के पद पर भी कार्य किया और उत्तर भारत के प्रसिद्ध अखबार ट्रिब्यून की ट्रस्ट की अध्यक्ष भी रही। उनके निधन से देश ने एक योग्य प्रशासक खो दिया है।

श्री महाबीर प्रसाद जैन एक प्रख्यात वकील के निधन से मुझे गहरा शोक है। वे 60 वर्ष तक वकालत प्रोफैशन में एक्टिव रहे जिसकी वजह से उनका नाम लिम्का बुक ऑफ वर्ल्ड रिकार्ड में दर्ज हुआ। वे एक अच्छे धार्मिक सामाजिक कार्यकर्ता थे तथा दूसरे लोगों के प्रेरणा स्त्रोत थे। उनके निधन से प्रदेश ने एक बहुत ही काबिल वकील तथा अच्छे सामाजिक कार्यकर्ता को खो दिया है।

इनके अतिरिक्त मुझे संसद पर आतंकवादी हमले में मारे गये सुरक्षा कर्मियों, कोलकाता में अमेरिकन सैंटर पर हुए आतंकवादी हमले में मारे गये पुलिस कर्मी तथा गुजरात में गोधरा के निकट साबरमती एक्सप्रैस और अन्य स्थानों पर मारे गये लोगों के निधन पर भी गहरा शोक है। इन सभी लोगों ने देश की अखण्डता को बनाए रखने में अपनी जान गवाई है।

लैफ्टिनैंट वीर सिंह, श्री रण सिंह, श्री भवंर लाल बहमणी, श्री झाबर सिंह, चौधरी राम नाथ, श्री किशोरी लाल, श्री दरबारा सिंह मारखा, श्री खिवन सिंह, चौधरी नेकी राम और चौधरी दीपा राम इन सभी स्वतंत्रता सेनानियों के हुए दु:खद निधन पर मुझे गहरा शोक है। इनमें से कई आजाद हिंद फौज के सदस्य थे तथा कईयों ने दूसरे विश्व युद्ध में भी लड़ाई लड़ी थी। कोई भी देश स्वतंत्रता सेनानियों की सेवाओं को भूल नहीं सकता क्योंकि इन्हीं लोगों की वजह से हमें आजादी मिली थी। इन लोगों को श्रद्धाजंलि देने का यही एक तरीका है कि हम देश की सेवा पूरे तन मन से करें। इनके निधन से देश सच्चे देश भक्त और स्वतन्त्रता सेनानियों की सेवाओं से वंचित हो गया है।

इनके अतिरिक्त हरियाणा के शहीदों के बारे में मुख्यमंत्री जी ने जो नाम लिये हैं उनके बलिदान के ऊपर मुझे गहरा शोक है। ऐसे वीर शहीदों के बलिदान से देश की अखण्डता बनी हुई है और हरियाणा के वीर किसी भी तरीके से दूसरे प्रदेशों के वीरों से कम नहीं हैं।

[श्री अध्यक्ष]

इनके अतिरिक्त हरियाणा के मंत्री श्री अशोक अरोड़ा की माता श्रीमती चानन देवी हरियाणा विधान सभा के सदस्य वैद्य कपूर चन्द की पत्नी श्रीमती दयावती, हरियाणा विधान सभा के सदस्य श्री जगजीत सिंह सांगवान के भाई श्री अमरजीत, हरियाणा विधान सभा के सदस्य श्री सूरजमल के पिता चौधरी फतेह सिंह तथा हरियाणा विधान सभा के सदस्य श्री बलवन्त सिंह मायना के चचेरे भाई श्री जय किशन के दु:खद निधन पर मुझे गहरा शोक है।

मैं परमपिता परमात्मा से दिवंगत आत्माओं को शांति प्रदान करने की प्रार्थना करता हूं और उन शोक-संतप्त परिवारों तक इस सदन की संवेदना पहुंचा दी जायेगी। माननीय मुख्यमंत्री चौधरी ओम प्रकाश चौटाला सदन के नेता ने जो प्रस्ताव रखा है कि जो बिजनैस है वह कल के लिए स्थगित कर दिया जाये। मैं उनकी भावना की कद्र करते हुए दो मिनट का मौन धारण करने के बाद कल सुबह साढ़े नौ बजे तक सदन को स्थगित करने की घोषणा करता हूं। दो मिनट के मौन के बाद सदन स्थगित होगा। अब मैं दिवंगत आत्माओं के सम्मान में उन्हें श्रद्धांजलि देने के लिए दो मिनट का मौन धारण करने के लिए इस सदन के सभी सदस्यों को खड़ा होने के लिए अनुरोध करता हूं।

(इस समय सदन ने सभी दिवंगत आत्माओं के सम्मान में खड़े होकर दो मिनट का मौन धारण किया)

श्री अध्यक्ष : मैम्बर साहेबान, अब हाउस कल प्रात: 9.30 बजे तक के लिए एडजर्न किया जाता है।

*13.42 बजे (तत्पश्चात सदन की बैठक दिनांक 5-3-2002 प्रात: 9.30 बजे तक *स्थगित कर दी गई।)

34480—H.V.S.—H.G.P., Chd.